# Chapter-1

# Introductin

प्राचीन पांचाल प्रदेश की पावन धरा–धाम पर बसे कासगंज जनपद का सृजन 17 अप्रैल 2008 को 'एटा' जनपद से पृथक कर 'कांशीरामनगर' जनपद के नाम से हुआ। तत्पश्चात् दिनांक 30 जुलाई, 2012 को कांशीराम नगर के स्थान पर 'कासगंज' जनपद के रूप में अधिसूचित किया गया।

कासगंज जनपद 1955.28 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में बसा है। इसकी कुल आबादी 14,38,156 है। इस जनपद में कुल तीन तहसील (कासगंज, सहावर, पटियाली), 7 विकास खण्ड, 3 नगर पालिका, 7 नगर पंचायत, 77 न्याय पंचायत तथा 389 ग्राम पंचायतें हैं।

'कांस' के विशाल जंगलों से घिरी कासगंज नगर की भूमि अपने इसी वैशिष्ट्य के कारण 'कासगंज' नाम से पहचानी गई। कहते हैं कि कासगंज की स्थापना याकूत खान उर्फ खान बहादुर खान के द्वारा की गई, उसके पश्चात् कासगंज खुदा वख्स और दिलसुख राय के अधीन हुआ। राजा दिल सुखराय के पुत्र शंकर सिंह ने यहॉ एक किले का निर्माण कराया। स्वतन्त्रता आन्दोलन में भी कासगंज जनपद का सक्रिय योगदान रहा।

कासगंज नगर आज भी उद्योग, व्यापार आदि के लिए प्रसिद्ध है। देशी घी, सोनपपड़ी और अन्य मिठाईयॉ, सोना–चॉदी आदि जेवरात, आयुर्वेद की दवाईयॉ सहित हर प्रकार के उपयोग की वस्तुओं का केन्द्र बिन्दु है। मेहता पुस्तकालय, लक्ष्मीगंज दरवाजा, चामुण्डा देवी मंदिर, प्रभूपार्क आदि धरोहरों से कासगंज की पहचान जुड़ी हुई है। कासगंज का मुरलीधर घंटाघर 1945 से कासगंज के साथ जुड़कर सम्मान पा रहा है। कासगंज के समीप नदरई गॉव में स्थित भीमसेन का 84 मन का घंटा आज भी लोगों के लिए जिज्ञासा और कौतूहल को दर्शाता है। जनपद में स्थित नदरई झाल का पुल 1889 से अद्भुत तकनीकी का नमूना बनकर पर्यटकों व दर्शकों का मन मोह रहा है। कासगंज की ऐतिहासिक जामा मस्जिद 281 वर्ष से सामाजिक, धार्मिक व शैक्षिक सरोकारों से जुड़कर आस्था का केन्द्र बिन्दु बनी हुई है। कासगंज का सी0एन0आई सदर चर्च 100 वर्ष से अधिक समय से विभिन्न सामाजिक व चिकित्सीय सेवा में लगा हुआ है।

उत्तर भारत का प्राचीन, पवित्र पौराणिक तीर्थस्थल सोरों इस जनपद का गौरव है। भगवती भागीरथी के तट पर स्थित सोरों शूकर क्षेत्र भगवान विष्णु के तृतीयावतार पृथ्वी उद्धारक भगवान श्री वराह की निर्वाण स्थली, महर्षि कपिल की तपस्थली, बराह गंगा, वृद्गंगा और भागीरथी गंगा की तटस्थली, मानसवर गोस्वामी तुलसीदास, साध्वी रत्नावली, अष्टछाप के प्रमुख कवि नन्ददास आदि की जन्मस्थली सहित अनेक महिमाओं से मंडित है। श्री वराह गंगा के भव्य दिव्य दर्शन के साथ–साथ श्री वराह मंदिर दर्षनीय है। ऐतिहासिक दृष्टि से कासगंज राजा सोमदत्त सोलंकी की राजधानी रही। सोरों–सीताराम मंदिर जैसे अनेक ऐतिहासिक अंचलों को अपने अन्दर समेटे हुए है। सम्राट अकबर के काल में सोरों, जनपद का स्थान रखकर इस क्षेत्र का सबसे बड़ा नगर था। अकबर यहीं से अपने पीने का गंगाजल मंगाते थे। सन् 1868 में इस नगर में नगर पालिका की स्थापना हुई और 1885 में रेलवे स्टेशन की स्थापना हुई। आज भी देश के विभिन्न प्रांतों उत्तर प्रदेष, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात आदि से लगभग 45 लाख तीर्थयात्री विभिन्न धार्मिक पर्वों पर

अपने धार्मिक कृत्यों की पूर्ति करने सोरों आते हैं। यहॉ मेला मार्गशीर्ष के नाम से बड़े मेले का आयोजन श्री वराह निर्वाण स्मृति में होता है। यहॉ भारत के अति प्राचीन तीन वट वृक्षों में से एक वट वृक्ष (गृहवट) है। यहॉ देष के बड़े संत, विचारक, राज्य, राजनेता आदि पधारे हैं। अस्थि विसर्जन, पिण्डदान, तर्पण, मुण्डन, गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों की पूर्ति हेतु देश भर से लोगों का यहॉ आगमन होता है। स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों की शरण स्थली भी सोरों रहा है।

पटियाली इस जनपद का प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगर है। महाभारत काल में यह पांचाल प्रदेष का हिस्सा रहा और राजा द्रुपद ने अपने गुरू द्रोणाचार्य को कम्पिल से पटियाली तक का भू–भाग दिया। यह स्थान द्रोणाचार्य का निवास, अश्वत्थामा की युद्ध–शिक्षा भूमि, भारत के प्रसिद्ध कवि साहित्यकार अमीर खुसरों की जन्म–भूमि के होने की अनुभूति से गौरवान्वित है। साहित्याकाश के दैदीव्यमान नक्षत्र अमीर खुसरों की स्मृति में स्थापित पार्क और पुस्तकालय यहॉ स्थापित है। यहॉ महाभारत कालीन प्रसिद्ध जागेश्वर मन्दिर भी है। पटियाली ने अनेक ऐतिहासिक युद्ध देखे हैं। क्रान्तिकारियों ने यहॉ रहकर देश को स्वतन्त्रता के लिये अहम् भूमिकायें निभायी है। यह जनपद की तहसील भी है।

बिलराम की स्थापना राजपूत बलराम सिंह ने लगभग 700 वर्ष पूर्व की। उन्हीं के नाम पर इस कस्बे का नाम बिलराम पड़ा। युद्ध और आक्रमण से क्षति–विक्षित इस कस्बे का पुर्ननिर्माण सूफी संत मुहम्मद मखदूम चिस्ती ने किया। आज भी यहॉ मु0 मखदूम सलाउद्दीन चिस्ती का मकबरा है। बिलराम उर्दू शायरों, साहित्यकारों की दृष्टि से भी महत्व पूर्ण स्थान रखता है।

सहावर इस जनपद का कस्बा है। जिसकी स्थापना राजपूत राजा नौरंगदेव ने की थी। कालान्तर में इसका नाम सहावर पड़ा और आज यह जनपद की तहसील है।

गंजडुण्डवारा भी इस जनपद का व्यापारिक कस्बा है। राजपूतों के बाद यह कस्बा सहाबुद्दीन गौरी के द्वारा डुडिया लोगों के बसाये जाने से 'डुडवारा' नाम से जाना गया, बाद में डुडवारा गंज और गंजडुण्डवारा के रूप में जाना गया। हैण्डलूम वस्त्रों के निर्माण के लिए इस कस्बे की अपनी पहचान है।

भरगैन का नाम भार्गव ऋषि के नाम पर पड़ा। यहॉ दो सूफी सन्तों की पुरानी मजारें हैं। यह मुस्लिम धर्म प्रधान नागरिकों के लिए श्रद्रास्वद है।

कादरगंज गंगातट पर बसा है। सुजात खान की वंश परम्परा के कादिरदाद  खान के नाम पर इसका नाम कादरगंज पड़ा। यहॉ पुराने ऐतिहासिक किले के आवशेष आज भी विधमान है। आज गंगा स्नान का प्रमुख घाट है। यहॉ पर प्रसिद्ध फकीर रेता शाह की कब्र है, उनकी स्मृति में मेले का आयोजन हो रहे हैं।

इस जनपद के अन्य कस्बे, गॉव और स्थल भी विभिन्न धार्मिक, ऐतिहासिक, साहित्यक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्तर के कवि बलवीर सिंह 'बूंरा' का नगला कटीला है अथवा लोक गायन, कलाओं और कुष्ती आदि के लिए भी जनपद सदैव गौरवान्वित रहा है।

आइये हम सब मिलकर इस जनपद की पुरातन संस्कृति, साहित्य, सद्पुरूषों, धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित और संरक्षित ही न करें, बल्कि भविष्य के नये आयाम भी स्थापित करें, इस जनपद के विकास से सहयोगी और सहभागी बनें–आने वाला कल हमारे प्रयासों के मूल्यांकन की प्रतीक्षा में खड़ा है।

# –: जिले की सामान्य प्रवृत्ति :–

जनपद की आय विभिन्न प्रकार के करों से, पशुपालन, कृषि, वृक्षारोपण एवं समस्त प्राथमिक उपखण्ड, विनिर्माण एवं राज्य सरकार/भारत सरकार के अनुदान से होती है। जनपद कासगंज़ के विभिन्न उपखण्डों में आय की प्रवृत्ति इस प्रकार है। वाणिज्य कर, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, परिवहन, मनोरंजन कर एवं करेत्तर राजस्व आदि से आय प्राप्त होती है। वर्ष 2014–15 में उपरोक्त सभी करों से रू0 24739.67 लाख की प्राप्ति हुयी जो लक्ष्य का 95.09 प्रतिशत है।

प्रायः इस जनपद में जून के अंतिम सप्ताह में तथा जौलाई के प्रथम सप्ताह तक मानसून सम्भावित है। खरीफ की फसल वर्षाकाल की होने के कारण वर्षा की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक हो जाता है। यदि वर्षा विलम्ब से होती है तो मक्का का क्षेत्र अधिक प्रभावित होता है तथा धान की रोपाई विलम्ब से होने की सम्भावना बढ़ जाती है।

जनपद कासगंज **भूकम्प प्रभावी जोन–4 के साथ–साथ बाढ़ प्रभावी क्षेत्र** है। जनपद कासगंज में अतिवृष्टि अथवा नदियों का जल स्तर बढ़ने से उत्पन्न हुई बाढ़/जलप्लावन की स्थिति से निपटने के लिए पूर्व की तैयारी की दशा में जिला स्तर पर इससे सम्बंधित समस्त विभागों के अधिकारियों एवं स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक आयोजित करके बाढ़/जलप्वालन जैसी आपदाअें एवं इससे उत्पन्न समस्याओं से निबटने व बचाव एवं प्रभावित व्यक्तियों को राहत दिये जाने की कार्यवाही करने के सम्बंध में इससे सम्बंधित समस्त बिन्दुओ पर विचार विमर्श करके तथा नालों की सफाई, बॉध, मरम्मत, जल निकासी, जीवनोपयोगी वस्तुओं, दवाओं एवं बाढ़ चौकियों/बाढ़ शरणालयों पर अधिकारियों/कर्मचारियों की तैनाती आदि के सम्बंध में समस्त सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया जाता है। जन प्रतिनिधियों से राहत कार्यो के सम्बंध में परामर्श एवं स्वयं सेवी संस्थाओं का अपेक्षित सहयोग प्राप्त किया जाता है।

उ0प्र0 सरकार, विधायी अनुभाग–1 द्वारा प्रकाशित अधिसूचना संख्या– 1032/सात–वि–1–1(क)–25–2005 दिनॉक 11.8.2005 के अर्न्तगत आपदा के प्रभावी प्रबन्ध की व्यवस्था करने हेतु उ0प्र0आपदा प्रबन्ध अधिनियम–2005 बनाया गया है। उक्त अधिनियम की धारा–25 के अर्न्तगत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में अधिसूचना संख्या– 4141/1–11–2008–01(पी0)–2008 दिनॉक 10 दिसम्बर, 2008 द्वारा जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण की स्थापना की गई है।

जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण का गठन निम्नानुसार किया गया है :–

| | |
|---|---|
| 1– जिलाधिकारी | अध्यक्ष |
| 2– अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) | सदस्य/सचिव |
| 3– पुलिस अधीक्षक | सदस्य |
| 4– मुख्य चिकित्सा अधिकारी | सदस्य |
| 5– मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी | सदस्य |
| 6– उपायुक्त, जिला उधोग केन्द्र, कासगंज | सदस्य |
| 7– प्राचार्य, राजकीय पॉलिटेक्निक, सोरों | सदस्य |

# Chapter-2

## Hazard Vulnerability, Capacity and Risk Assessment

जनपद कासगंज दैवीय आपदाओं जैसे बाढ़, सूखा, भूकम्प, अग्निकाण्ड तथा आकाशीय बिजली से प्रभावित हुआ है। बाढ़ आपदा ही ऐसी है जो जनपद कासगंज को ज्यादा प्रभावित करती है। प्रत्येक वर्ष जुलाई माह से सितम्बर माह तक बाढ़ से जनपद कासगंज को नुकसान होता है। जनपद कासगंज में गंगा नदी एवं काली नदी प्रवाहित होती है। जनपद कासगंज में क्रमशः तीन तहसील कासगंज, पटियाली एवं सहावर है। गंगा नदी सबसे ज्यादा पटियाली तहसील को बाढ़ प्रभावित करती है। तहसील पटियाली में गंगा नदी जनपद बदायूँ की सीमा निर्धारित करते हुए निम्न ग्रामों से होकर बहती हैं–

1. ग्राम शहवाजपुर
2. कुसौल,
3. सुनगढी,
4. वरौना,
5. समसपुर
6. तराई,
7. नगला खन्दारी म0 तरसी,
8. नैथरा,
9. रिकैरा,
10. गठौरा,
11. सुन्दरायन,
12. कादरगंज पुख्ता,
13. कादरगंज खाम,
14. पनसोती,
15. खेडा भाट,
16. चिरोली भाट,
17. हटटू हाफिजगंज,
18. जिजौल,
19. रिजोला खुर्द,
20. नौली फतुआवाद,

21. मिहोला,
22. नरदोली खाम,
23. नरदोली पुख्ता,
24. मूजखेडा,
25. अलीपुर भकरी,
26. पीरनगर,
27. करीमनगर,
28. सनोडी सिंहमन खाम,
29. सनोडी सिंहमन पुख्ता,
30. राजपुर कुर्रा खाम,
31. राजेपुर कुर्रा खाम,
32. हिम्मतनगर वझेरा पूरव,
33. हिमत्तनगर वझेरा, पश्चिम के समीप होकर वहती है। बाढ़ से कुल 64 ग्राम तहसील पटियाली के प्रभावित होते हैं। तहसील पटियाली में गंगानदी ग्राम शहवाजपुर से ग्राम हिम्मतनगर वझेरा तक वहती है। गंगानदी की वाढ़ से प्रभावित होने वाले ग्राम गंगानदी के उत्तर व दक्षिण में बसे हुए हैं। तहसील कासगंज के उत्तर दिशा में गंगा नदी बहती है। इसमें नरौरा बैराज से अधिक पानी छोड़े जाने पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। बाढ़ से प्रभावित होने वाले सभी ग्राम विकास खण्ड सोरों के अन्तर्गत आते हैं। इस तहसील में काली नदी भी बहती है। जिसमें बाढ़ की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है। तहसील सहावर में जनपद बदायूँ की सीमा निर्धारित करते हुए गंगा नदी निम्न ग्रामों से होकर बहती हैः—
1. न्यौली,
2. हसनपुर,
3. चंदवा पुख्ता,
4. चंदवा खाम,
5. बिकरों,
6. मनिकापुर खाम,
7. मनिकापुर पुख्ता,
8. मुजफ्फर नगर,
9. कैली बढापुर
10. बाजनगर, के समीप होकर गंगा नदी बहती है। इस नदी की बाढ से 10 ग्राम प्रभावित होते हैं। यह ग्राम गंगा नदी से दक्षिण दिशा में बसे हुए हैं। वर्षाकाल में बाढ से गंगा नदी ग्राम बिकरों और मुजफ्फर नगर व मनिकापुर पुख्ता में कटान करती है।

# Chapter-3

## Institutional arrangements for DM

## 1– District Disaster Management Committee and Task Forces

| क्र0सं0 | नाम पदाधिकारी | पद |
|---|---|---|
| 1 | जिलाधिकारी, कासगंज | अध्यक्ष |
| 2 | पुलिस अधीक्षक, कासगंज | सदस्य |
| 3 | अपर जिलाधिकारी/जिला बाढ़ राहत अधिकारी, कासगंज | सचिव/सदस्य |
| 4 | मुख्य चिकित्साधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 5 | मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 6 | उपजिलाधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 7 | क्षेत्राधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 8 | तहसीलदार, कासगंज | सदस्य |
| 9 | खण्ड विकास अधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 10 | जिला कृषि अधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 11 | जिला पूर्ति अधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 12 | अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कासगंज | सदस्य |
| 13 | अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग, कासगंज | सदस्य |
| 14 | अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, कासगंज | सदस्य |
| 15 | अधिशासी अभियन्त, जल निगम, कासगंज | सदस्य |

# 2– Public and private emergency service facilities available in the district

## लेखपाल/ग्राम प्रधान/राशन डीलर का नाम व मोबाइल नं0 तहसील कासगंज

| क्र. सं. | लेखपाल का नाम | मोबाइल नम्बर | ग्राम प्रधान का नाम | मोबाइल नम्बर | राशन डीलर का नाम | मोबाइल नम्बर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | प्रेमपाल सिंह | 9411444860 | प्रेमपाल सिंह | 8958746360 | प्रीतमसिंह | 9837758975 |
| 2 | प्रेमपाल सिंह | 9411444860 | बृजेशवती | 9659063272 | रामफल सिंह | 9719275256 |
| 3 | प्रेमपाल सिंह | 9411444860 | कैलाश चन्द्र यादव | 9719848497 | आरामसिंह | 9837737408 |
| 4 | प्रेमपाल सिंह | 9411444860 | बृजेशवती | 9759063272 | रामफल सिंह | 9719275256 |
| 5 | प्रेमपाल सिंह | 9411444860 | बृजेशवती | 9759063272 | रामफल सिंह | 9719275256 |
| 6 | उमाशंकर | 9997603456 | नीरज यादव | 05744–244357 | शिवनरायन | 8958748961 |
| 7 | उमाशंकर | 9997603456 | सन्तोष कुमार | 9719906678 | धर्मेन्द्र | 9759368060 |
| 8 | उमाशंकर | 9997603456 | सन्तोष कुमार | 9719906678 | धर्मेन्द्र | 9759368060 |
| 9 | ज्ञान सिंह | 9761897181 | ज्वाली सिंह | 8006859931 | गिरीश शाक्य | 8650019531 |
| 10 | ज्ञान सिंह | 9761897181 | सत्यवीर सिंह | 8650764406 | नरेन्द्रसिंह यादव | 9759410530 |
| 11 | ज्ञान सिंह | 9761897181 | ज्वाली सिंह | 8006859931 | कमलेश कुमारी | 9758737026 |
| 12 | ज्ञान सिंह | 9761897181 | सत्यवीर सिंह | 8650764406 | जय दयाल | 9627354363 |
| 13 | ज्ञान सिंह | 9761897181 | पुष्पा देवी | 9212744455 | जागनसिंह | 8006051267 |
| 14 | ज्ञान सिंह | 9761897181 | पुष्पा देवी | 9212744455 | जागनसिंह | 8006051267 |
| 15 | ज्ञान सिंह | 9761897181 | ज्वाली सिंह | 8006859931 | कमलेश कुमारी | 9758737026 |
| 16 | अब्बल सिंह | 9412536767 | अनन्तविजय | 9719171717 | रामचन्द्र | 9627172116 |
| 17 | अब्बल सिंह | 9412536767 | अनन्तविजय | 9719171717 | रामचन्द्र | 9627172116 |
| 18 | अब्बल सिंह | 9412536767 | हरी सिंह | 9759726130 | सुखवीरसिंह | 9675833599 |
| 19 | मुकेश शर्मा | 9758889130 | महेन्द्र सिंह | 9927178221 | – | – |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | न0पा0परि0सोरों में सभासद | (दिनेश) | | |
| 20 | मुकेश शर्मा | 9758889130 | डा0 के0डी0 | 9761362575 | सुल्तान सिंह | 7520160593 |
| 21 | मुकेश शर्मा | 9758889130 | चरन सिंह यादव | 9627116677 | सुल्तान सिंह | 7520160593 |
| 22 | कुंवरपाल सिंह | 9456877100 | रामशंकर | 9456925680 | अशोक कुमार | 9758817559 |
| 23 | कुंवरपाल सिंह | 9456877100 | मौहरश्री | 9837558993 | रामखिलाडी | 8126441443 |
| 24 | राजेन्द्र सिंह | 9456809553 | सोमवती | 9758687028 | हुन्डीलाल | 9412896484 |
| 25 | ज्ञानसिंह | 9761897181 | श्यामवती | 9536530287 | किशोरीलाल | 9761380518 |
| 26 | ज्ञानसिंह | 9761897181 | श्यामवती | 9536530287 | किशोरीलाल | 9761380518 |
| 27 | राजेन्द्रसिंह | 9456809553 | ईश्वर देवी | 7830561178 | मुन्नी देवी | 9358986440 |

## ग्राम प्रधान का नाम व मोबाइल नं0 तहसील पटियाली

| क0सं0 | प्रधान का नाम | मोबाइल नम्बर |
|---|---|---|
| 1 | श्रीमती मीरा देवी | 9410266825 |
| 2 | श्रीमती ममता | 9457178934 |
| 3 | श्रीमती श्वेता | 9997374383 |
| 4 | श्रीमती कान्ती देवी | 9568155087 |
| 5 | श्री सतीश चन्द्र | 9720111204 |
| 6 | श्रीमती मीना देवी | 9837966283 |
| 7 | श्रीमती हाजिरा बेगम | 7088412366 |
| 8 | श्रीमती अनवीर सिंह | 9758118594 |
| 9 | श्रीमती गंगाश्री | 9575007811 |
| 10 | श्रीमती मीना देवी | 9837966283 |
| 11 | श्री झब्बू सिंह | 9719606733 |
| 12 | श्री अरसद | 9999627764 |
| 13 | श्रीमती ममता कुमारी | 9761863116 |
| 14 | श्रीमती सरला कुमारी | 9719452099 |

| | | |
|---|---|---|
| 15 | श्री सत्यप्रकाश | 7037793412 |
| 16 | श्रीमती संन्ध्या | 9737786720 |
| 17 | श्रीमती सरोज | 8650388642 |
| 18 | श्रीमती धर्म शीला | 9758060714 |
| 19 | श्री देवेन्द्र सिंह | 9759179841 |
| 20 | श्रीमती त्रिवेनी देवी | 9758500071 |
| 21 | श्री नेम सिंह | 9720054162 |
| 22 | श्रीमती तारावती | 9012983614 |
| 23 | श्री बादल | 9675152090 |
| 24 | श्री रामवीर | 9012983614 |
| 25 | श्रीमती रामप्यारी | 9411236304 |
| 26 | श्रीमती सावित्री | 9410878513 |
| 27 | श्री जसवीर सिंह | 9457941106 |
| 28 | श्रीमती कन्यावती | 9758549010 |
| 29 | श्रीमती कुसुमा देवी | 9458754264 |
| 30 | श्रीमती सुनीता | 9997409630 |
| 31 | श्रीमती माया देवी | 9719931915 |
| 32 | श्री शिवांक | 9897914830 |
| 33 | श्री राजकुमार | 9759936401 |

## ग्राम प्रधान का नाम व मोबाइल नं0 तहसील सहावर

| क्रं0सं0 | ग्राम का नाम | प्रधान का नाम | मोवाइल नम्वर |
|---|---|---|---|
| 1 | मुजफ्फर नगर | श्रीमती सोना देवी | 9917881571 |
| 2 | न्यौली | श्री मनोज कुमार | 9368931266 |
| 3 | हॅसनपुर | श्रीमती गायत्री देवी | 9927976321 |
| 4 | चंदवा पुख्ता | श्री सतेन्द्र | 9761402243 |
| | चंदवा पुख्ता खाम | श्री सतेन्द्र | 9761402243 |
| 5 | मनिकापुर पुख्ता | श्री रामरहीस | 9568106070 |
| | मनिकापुर खाम | श्री रामरहीस | 9568106070 |
| 6 | कैली बढ़ापुर | श्रीमती सोना देवी | 9917881571 |
| 7 | बिकरों | श्रीमती सोना देवी | 9917881571 |
| 8 | बाजनगर सफेद | श्री सन्तोष कुमार | 8954631763 |

## जनपद कासगंज के जन प्रतिनिधियों के नाम व दूरभाष नम्बर

| क्रम संख्या | नाम जन प्रतिनिधिगण | क्षेत्र का नाम | मोबाइल नम्बर |
|---|---|---|---|
| 1 | मा0 श्री राजवीर सिंह (राजू भईया) | मा0 सांसद कासगंज/एटा | 9756077777 |
| 2 | मा0 श्री देवेन्द्र सिंह राजपूत | मा0 विधायक, कासगंज | 9719875352 |
| 3 | मा0 श्री देवेन्द्र प्रताप | मा0 विधायक, अमांपुर | 9412734699 |
| 4 | मा0 श्री ममतेश शाक्य | मा0 विधायक, पटियाली | 9412282494 |

# Chapter-4

# Prevention and mitigation measures.

## बिजली/तड़ित और वज्रपात

**वज्रपात से बचाव कार्यः–**

– आकाशीय बिजली चमकने पर सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बन्द रखे जाने की चेतावनी जारी की जाती है।

– ऊँची बनी इमारतों में बज्रपातरोधी यन्त्र लगाए जाने हेतु निर्देशित किया जाता है।

– आकाशीय बिजली की सम्भावना होने पर तत्काल विद्युत आपूर्ति बन्द किए जाने के निर्देश दिए जाते हैं।

– वर्षा/बिजली से बचाव हेतु व्यक्तियों, बच्चों, पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की व्यवस्था की जाती है।

**वज्रपात के समय अगर आप घर से बाहर हों –**

– अगर आपको बिजली चमकने के 10 सैकेण्ड बाद गर्जन सुनाई देती है तो इसका मतलब वो आपसे 3 कि0मी0 दूर है। अतः तुरन्त ही सुरक्षित आश्रय ढूढ़े। गर्जन और बिजली चमकने में जितना कम समय लगता है उतना ज्यादा पास में वज्रपात होता है।

**अगर आप घर के अंदर हों :–**

– ऑधी आने से पहले टी0वी0 रेडियो, और कम्प्यूटर सभी का मोडेम और पावर प्लग निकाल दें।

– सारे पर्दे लगा दें। खिडकियॉ बंद रखें। बिजली से चलने वाली वस्तुओं का इस्तेमाल न करें।

– टेलीफोन का प्रयोग न करें। आपातकाल में फोन करें पर विद्युत चालक वस्तुओं का न छुएँ। खाली पैर फर्श या जमीन पर खड़ें न हों।

**प्राथमिक उपचार :–**

तुरन्त हृदय के पास मालिश करें और मुँह द्वारा पुररूज्जीवन क्रिया करें । ऐसा तब तक करते रहें जब तक कि कोई मदद न पहुँचे। (आपको रोगी से बिजली नहीं लगेगी)

**वज्रपात के कुछ तथ्य एवं गलत धारणाएँ :–**

– जब किसी पर बिजली गिरती है तो वो जल नहीं जाता बल्कि उसके हृदय और श्वास नली पर असर होता है।

– करीबन 30 प्रतिशत लोग जिन पर वज्रपात होता है मरते है। अगर प्राथमिक उपचार सही समय पर दिया जाये तो

– लम्बी बीमारी की सम्भावना बहुत कम हो जाती है।

– अगर आपके कपड़े गीले हैं तो आप पर वज्रपात का उतना असर नहीं होगा क्यों कि आवेगित चार्ज कण गीले कपड़े कपड़े से गुजर जाएगा ना कि शरीर से।

– एक ही जगह कई बार वज्रपात हो सकता है।

# बाढ़

**बाढ़ से पूर्व बचाव कार्य–**

– बाढ़ आने से पूर्व सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया जाता है।

– जिलास्तर अधिकारियों/कर्मचारियों को बाढ़ से पूर्व कुशल ट्रेनर्सों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। तथा सभी तहसीलों/जिलास्तर पर एक बाढ़ नियंत्रण कक्षों की स्थापना कर दी जाती है।

– बाढ़ आने से पूर्व क्षतिग्रस्त बॉधों की मरम्मत का कार्य पूर्ण कर लिया जाता है।

- बाढ़ग्रस्त ग्रामों को पहले से ही खाली कराकर, ग्रामवासियो, पशुओं को सुरक्षित स्थानों में पहुॅचा दिया जाता है। तथा उनके रहने, खाने–पीने, दवायें आदि की उचित व्यवस्था कर दी जाती है।
- बाढ़ आने से पूर्व बाढ़ग्रस्त ग्रामों में एक मॉकड्रिल कराकर सभी को बाढ़ से निपटने हेतु सचेत कर दिया जाता है।
- नरौरा बैराज से पानी छोड़े जाने पर बाढ़ की सम्भावना होने पर तत्काल चेतावनी जारी की जाती है।

## सुरक्षा सुझाव :–

- घर के सभी सदस्यों एवं राहत कार्यकर्ताओं को नजदीकी सुरक्षित आश्रय का पता होना चाहिए।
- अगर आपका घर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में है तो मकान मजबूती से सीमेंट आदि से बनवाऍं। मिट्टी के घर जल्दी से ढह जाते हैं ।
- आपात कालीन बाक्स हमेशा अपने पास रखें जैसे :– एक छोटी रेडियो, टार्च एवं बैटरी, पानी, सूखा भोज्य पदार्थ (चूड़ा, मुरमुरे, भुने हुए चने, गुड़, बिस्कुट आदि) किरासिन तेल, मोमबत्ती, माचिस आदि हमेशा अपने पास स्टाक में रखे। पालीथिन बैग, या वाटरप्रूफ बैग आदि रखे जिसमें कपड़े, मॅहगे सामान, छाता, चीनी, नमक, और लकड़ी (सॉप आदि भगाने के लिए) प्राथमिक उपचार बाक्स, मजबूत रस्सी अपने पास हमेशा रखें ।

## जब बाढ़ आने की चेतावनी सुनें :–

- रेडियो या टी0वी0 देखें चेतावनी व सुझाव के लिए।
- स्थानीय अधिकारी की चेतावनियों पर ध्यान रखें।
- अफवाहों पर ध्यान न दें और न घबरायें।
- सूखे भोज्य पदार्थ, कपड़े, पेयजल तैयार रखें।
- बैलगाड़ी, कृषि उपर्युक्त सामान या मशीन और पालतू जानवरों को ऊॅची सुरक्षित जगह पर ले जायें।
- यह सोचकर तय कर लें कि कौन सा सामान आप फेंक सकते हैं अगर बाढ़ आ गई तो, आपात कालीन बाक्स को चैक कर लें।

## बाढ़ के दौरान :–

- उबला हुआ पानी पीयें।
- खाना ढक कर रखें। ज्यादा खाना न खायें। हल्का भोजन लें।
- कच्ची, चाय, चावल का पानी, नारियल का पानी आदि का दस्त के समय सेवन करें और उपचार हेतु अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क करें।
- बच्चों को भूखा न रहने दें।
- ब्लीचिंग पाउडर आदि से घर को साफ रखें।
- स्थानीय अधिकारियों को राहत कार्यो, सामग्री वितरण आदि में सहयोग दें।

## अगर जगह खाली करनी हो तो :–

- सबसे पहले गर्म कपड़े जरूरी दवाएँ कीमती वस्तुएँ, निजी कागज आदि को वाटर प्रूफ बैग, पालीथिन आदि में रख लें एवं आपातकालीन बॉक्स को साथ रखें।
- स्थानीय स्वयं सेवकों/कार्यकर्ताओं को सूचित करें कि आप कहॉ जा रहे हैं। कीमती सामान को पलंग के ऊपर रखें सबसे ऊपर बिजली के सामान को रखें।
- मेन पावर को बन्द कर दें।
- अगर पानी की गहराई की जानकारी न हो तो कभी भी पार करने की कोशिश न करें।

## अगर बाढ़ के दौरान आप घर पर ही रूके हों या वापस लौटे हो तो :–

- विभिन्न माध्यमों से ताजा जानकारी प्राप्त करते रहें।
- बच्चों को बाढ़ के पानी के पास न खेलने दें तथा बाढ़ के पानी में जाने से बचें।
- अगर बाढ़ का पानी पार करना आवश्यक हो तो जरूरी कपड़े व जूते पहनें। पानी की गहराई व बहाव लकड़ी की सहायता से जॉचें।
- बिजली वाली वस्तुओं का प्रयोग न करें जब तक कि जॉच न लें कि इनमें बाढ़ का पानी तो नहीं चला गया।

– वैसा कोई भोज्य पदार्थ का सेवन न करें जो कि बाढ़ के पानी से प्रभावित हुआ हो।

– नल के पानी को उबाल कर पीयें जब तक जल विभाग उसे सुरक्षित घोषित न कर दे।

# सूखा

भारत में कृषि के सन्दर्भ में यदि बात करें ता कुल कृषि का 60 प्रतिशत अभी भी मानसून आधारित कृषि होती है। मानसून की अनियमितताओं ने इतने बड़े कृषिगत कार्य को बुरी तरह प्रभावित किया है और देश के अधिकांश हिस्से में सूखे की स्थिति पैदा कर रखी है।

## सूखा से पूर्व बचाव कार्य–

– सूखा आने से पूर्व सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया जाता है।

– जिलास्तर अधिकारियों/कर्मचारियों को सूखा से पूर्व कुशल ट्रेनर्सों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। तथा सभी तहसीलों/जिलास्तर पर एक सूखा नियंत्रण कक्षों की स्थापना कर दी जाती है।

– नहरों में टैलों तक पानी पहुॅचाने की व्यवस्था की जाती है।

– सभी ट्यूवेल चालू हालत में रखे जाने की व्यवस्था की जाती है।

**वर्षा समय पर प्रारम्भ होने के बाद लम्बा अन्तराल होने की दशा में** :–

**(क)** ऐसी दशा में फसलों की बुआई/रोपाई समय पर तो हो जाती है, किन्तु उसके पश्चात् प्रारम्भिक अवस्था में ही फसल सूखने लगती है। अतः आवश्यक है कि :–

क–1 जब तक पर्याप्त वर्षा न हो बुआई प्रारम्भ न करें।

क–2 यदि बुआई में विलम्ब हो रहा हो तो कम अवधि की प्रजातियों की सूखा सहनशील प्रजातियों की बुआई की जाय।

क–3 फसलों में घने पौधों का विरलीकरण (थिनिंग), खरपतवारों को राकने हेतु अन्तःकर्षण एवं मल्च का प्रयोग किया जाय। फसल में पौध संख्या कम रखी जाय तथा मल्च के रूप में बायोमास (जैव उत्पाद) का प्रयोग किया जाय।

क–4 जीवन रक्षक सिंचाई हेतु क्यारी तथा बरहा विधि अथवा एकान्तर पंक्ति विधि को अपनायें।

क–5 खेतों, तालाबों पोखरों एवं झीलों इत्यादि में पानी का संरक्षण किया जाये जिससे फसल की क्रान्तिक वृद्धि की दशाओं में उन्हें सिंचित किया जा सके।

क–6 संग्रहित/एकत्रित किये गये जल का दक्ष सिंचाई विधियॉ अपनाकर फसलों को बचायें।

क–7 फसलों द्वारा जन हानि को कम करने के लिए ज्वार, मक्का तथा गन्ने की पुरानी पत्तियों को पौधों से अलग कर उन्हें मल्च के रूप में प्रयोग करें।

क–8 पोषक तत्वों (नत्रजन) का घोल बनाकर (2 प्रतिशत यूरिया) पर्णीय छिड़काव किया जाये।

क–9 खेतों की जुताई धान के लम्बवत् दिशा में की जाये।

क–10 नहरों/नलकूपों की नालियों को ठीक दशा में रखा जाये, जिससे उपलब्ध सिंचाई जल की कम से कम क्षति हो।

क–11 संकेन–बेड विधि से धान एवं उर्द/अरहर की सह–फसली खती की बुवाई की जाये।

**<u>वर्षा विलम्ब से शुरू होने की दशा (मानसून देर से आना)</u> :–**

**(ख)** इसमें प्रायः सामान्य तिथि से 3 सप्ताह या उससे अधिक समय पश्चात वर्षा शुरू होना आता है। फसलों की बुआई/रोपाई प्रभावित होने के साथ उत्पादकता में भारी कमी आ जाती है। ऐसी स्थिति में :–

ख–1 पौध खराब होने व विलम्ब से मानसून आने की स्थिति में स्री पद्धति से ही धान की खेती की जाय, इसके लिए कम अवधि की 8 से 12 दिन की दो से तीन पत्तियों वाली एक पौध 25–25 से0मी0 पंक्ति एवं पौधें की दूरी पर 2–3 से0मी0 की गहराई पर रोपाई की जावे । स्री विधि से 1 है0 की रोपाई हेतु मात्र 1,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल की पौध पर्याप्त है तथा 5 से 6 कि0ग्रा0 बीज क है0 की रोपाई हेतु पर्याप्त होगा । नर्सरी में रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग न कर जैविक ढंग से खेती की जाय। खरपतवार नियंत्रण हेतु कानोवीडर का प्रयोग किया जाय।

ख–2 धान की नर्सरी 15 दिन के अन्तराल पर तैयार की जाय तथा नर्सरी में आवश्यकता से अधिक क्षेत्र रखा जाय ताकि विषम परिस्थितियों में उचित अवस्था की पर्याप्त पौध उपलब्ध रहे ।

ख–3 यदि वर्षा कुछ विलम्ब से अर्थात 30 जून के बाद प्रारम्भ होती है तो ऐसी स्थिति में धान की मध्यम अवधि की प्रजातियों जैसे सरयू–52, नरेन्द्र–359, पी0एन0आर0–381, नरेन्द्र धान–2064, नरेन्द्र धान–2026 तथा नरेन्द्र धान–312 का चयन किया जाय ।

**वर्षा/मानसून का समय से प्रारम्भ होकर समय से पहले समाप्त होने की स्थितिः–**

**(ग)** ऐसी दशा में वर्षा 20 जून के आस–पास शुरू तो हो जाती है लेकिन अगस्त के तीसरे सप्ताह या सितम्बर के आरम्भ में ही समाप्त हो जाती है। ऐसी स्थिति में खरीफ की प्रमुख फसल धान को भारी क्षति होती है। अतः निम्न उपाय श्रेयस्कर होंगे–

ग–1 नमी संरक्षण तथा जल प्रबन्धन की क्रियाएँ अपनायी जाय ।

ग–2 संग्रहित/एकत्रित जल समुचित उपयोग फसलों की जीवन–रक्षक सिंचाई हेतु किया जाय।

ग–3 दलहन, तिलहन, धान, ज्वार, मक्का, बाजरा इत्यादि की कम अवधि की प्रजातियों की बुवाई की जाय।

ग–4 रबी वं अगेती रबी की फसलों की तैयारी करें ।

ग–5 मक्का, ज्वार, बाजरा इत्यादि की पुरानी/निचली पत्तियों को निकाला जाय साथ ही इन्हें मल्च के रूप में प्रयोग किया जाये।

ग–6 मल्चिंग एवं खरपतवार नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

ग–7 सिंचाई–जल की हानि न्यूनतम करने के लिए उपयुक्त नियंत्रित सिंचाई विधियों तथा ड्रिप एवं स्प्रिंकलर, सिंचाई पद्धतियों का प्रयोग किया जाये।

ग–8 नहरों/नलकूपों की नालियों को ठीक दशा में रखा जाय तथा नहरों के अन्तिम छोर तक पानी पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाये।

**मानसूनी वर्षा सामान्य से कम होने की की स्थिति में :–**

**(घ)** ऐसी स्थिति में सामान्य की अपेक्षा कम वर्षा होने का मई–जून माह में पूर्वनुमान प्रायः हो जाता है। स्वाभाविक है कि कम वर्षा होने से खरीफ की फसलों की वृद्धि एवं उपज प्रभावित होती है। अतः उचित होगा कि :–

घ–1 फसल योजना में एक से अधिक फसलों का समावेश किया जाय तथा एकल फसल की अपेक्षा मिश्रित फसलों को उगाने की प्राथमिकता दी जाय।

घ–2 कम अवधि की फसल एवं प्रजातियों का चयन किया जाना चाहिए ।

घ–3 फसल योजना में कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों का समावेश किया जाये ।

घ–4 जल–संग्रहण के उपाय अपनाएँ तथा संचित जल का सिंचाई हेतु उपयोग करें ।

**वर्षा का बीच–बीच में रूकने (सूखा/अर्वषण) की स्थितिः–**

अवर्षण की अवधि 2–3 सप्ताह या अधिक होने के कारण बोई गई फसलें सूखने लगती है और उत्पादकता में भारी कमी आ जाती है। अतः खड़ी फसल को बचाने हेतु निम्न उपाय लाभकारी होगे :–

1– अवर्षण/सूखा के कारण जिन खेतों की फसलें सूख गयी हो, उनमें बाद में वर्षा होने पर कम समय में तैयार होने वाली संकुल बाजरा, ज्वार, उर्द, मूँग तथा तिल की बुवाई की जाय।

2– अवर्षण/सूखा की स्थिति के कारण खेत खाली रह जाने अथवा फसलों के सूख जाने की दशा में बुवाई हेतु विलम्ब से बोयी जाने वाली फसलों एवं फसल प्रजातियों का चयन किया जाय। विलम्ब से बुवाई हेतु अगस्त के प्रथम सप्ताह तक उर्द की उत्तरा, टाइप–9 नरेन्द्र उर्द–1, पन्त यू–35 एवं पन्त यू–19 प्रजाति 10 से 20 अगस्त तक मूँग की बुवाई हेतु टाइप–44, पन्त मूँग–1, पन्त मूँग–2, सम्राट मालवीय, जनप्रिया, मालवीय जनचेतना, मालवीय ज्योति एवं नरेन्द्र मूँग–1 अरहर की सितम्बर माह में बुवाई हेतु विकास, पूसा–9 एवं डी–11 तथा अण्डी (कैस्टर) की सितम्बर माह में बुवाई हेतु टाइप–4 एवं कालपी–6 प्रजातियों का चयन करें।

3– सूखा के प्रति सहनशीलता बढ़ाने हेतु 2.5 कि0ग्रा0 यूरिया एवं 2.5 कि0ग्रा0 पोटाश का छिड़काव करें।

4– अगस्त के आखिर तक फसल सूख जाने अथवा बुवाई/रोपाई न हो पाने वाले खेतों में सितम्बर के प्रथम पखवारे में अगेती राई, सरसों, तोरिया इत्यादि की बुवाई की जाय।

5– नमी एवं जल संरक्षण एवं प्रबन्धन की क्रियाओं को अपनाया जाय।

6– कैच ड्राप फसलों की बुवाई की जाय।

# भूकम्प

## भूकम्प से पूर्व बचाव कार्य–

– नवनिर्मित सभी भवनों को भूकम्परोधी बनाए जाने हेतु निर्देशित कर दिया गया है।

– भूकम्प की सम्भावना होने पर तत्काल चेतावनी जारी की जाती है।

– पुराने जीर्ण–झीर्ण भवनों को खाली कराकर भवनों को ध्वस्त किए जाने हेतु निर्देशित किया जाता है।

– भूकम्प आने की स्थिति में व्यक्तियों, बुजुर्गो, बच्चों आदि को सुरक्षित खुले मैदानों में पहुॅचाने की व्यवस्था की जाती है।

## भूकम्प से पहले क्या करें :–

– अल्मारियों, गैस सिलेण्डरों और फूलदानों को घर की दीवार के साथ सटा कर रखें।

– भारी तथा बड़े सामान को फर्श पर या सबसे नीचे खाने में रखें।

– घर के सभी सदस्यों को समझा दें कि बिजली, पानी और गैस सप्लाई को कैसे बंद किया जाता है।

## भूकम्प के दौरान क्या करें :–

– स्वयं धीरज बनायें रखें तथा दूसरों को भी धीरज बधॉए।

– यदि आप घर पर या किसी इमारत या किसी सभागार के भीतर हैं तो, अंदरूनी दरवाजे के सरकल के नीचे, कमरे के किसी कौने, किसी मेज या यहॉ तक कि किसी चारपाई के नीचे रहकर अपने आप को बचायें।

- यदि आप गली या सड़क पर हों तो बिना घबराये किसी खुली जगह की तरफ चले जाइये। इमारतों खासकर पुरानी व ऊँची इमारतों, बिजली के तारों, ढलानों या ऐसी दीवारों से हटकर चलें, जिनके गिरने का डर हो।
- यदि आप वाहन चला रहे हों तो अपने वाहन को इमारतों, दीवारों, ढलानों, बिजली के तारों से दूर ले जाकर रोक दें और उसी में बैठे रहें।

**भूकम्प के बाद क्या करें :–**

- शांत बने रहें और टी0वी0 रेडियो के माध्यम से मिल रहे निर्देशों का पालन करें।
- नदियों के निचले किनारों से दूर रहें कोई भारी लहर ऐसे किनारों को तोड़ सकती है।
- भूकम्प के बाद के झटके के लिए तैयार रहें।
- पानी, बिजली और गैस सप्लाई बंद कर दें।
- टार्च का प्रयोग करें।
- यदि आग लग जाये तो उसे बुझाने की कोशिश करें या फायर बिग्रेड को सूचित करें।
- कुछ खाते रहें जिससे आप स्वस्थ और स्वयं तथा दूसरों की मदद के योग्य बने रहेंगे।
- यदि आपके घर को भारी नुकसान पहुॅचा हो तो उसे छोड़ दें तथा अपनी आपात किट साथ ले लें।

**भूकम्प के दौरान क्या न करें** :–

- घबरा कर दौड़ें नहीं और न गलियों में घूमें।
- दरवाजों की तरफ न भागें। लिफ्ट का प्रयोग बिल्कुल न करें खिड़कियों, शीशे तथा फर्नीचर से बहुत दूर रहें।
- घूम्रपान न करें और माचिस अथवा लाइटर न जलाएॅ। बिजली के बटन ऑन या ऑफ न करें क्यों कि गैस लीक या शार्ट सर्किट हो सकते है।
- यदि लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये हों तो उन्हें खतरा होने की स्थिति में ही उनकी जगह से हटायें।
- आग पकड़ने वाली कोई वस्तु फैल जाय तो तुरन्त साफ कर दें।

- यदि आपको पता चले कि लोग दब गये हैं तो फौरन राहत दलों को सूचित करें। उनकी मदद को स्वयं न भागें और घायलों तथा अपनी हालत को और ना बिगाड़ें।
- ऐसे स्थानों पर न जायें जहॉ बिजली के तार लटक रहे हों और उनके छूने वाली किसी धातु की वस्तु को हाथ न लगाएँ।
- खुले बर्तनों में रखे पानी को जॉच किये बिना और फिल्टर या कपड़े से छाने बिना मत पियें।
- जो इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी हों उनके अंदर न जायें और क्षतिग्रस्त ढॉचों के निकट भी न जॉय।
- अनावश्यक भीड़ एकत्र न करें जिससे राहत दलों को बचाव कार्य में विध्न न पड़े।

# —: जनपद कासगंज में आपदा से बचाव हेतु उपकरण :—

## जनपद कासगंज में आपदा से निबटने हेतु निम्नलिखित उपकरण उपलब्ध है

| क्रमॉक | उपकरण का नाम | संख्या |
|---|---|---|
| 1 | सर्च लाईट | 120 |
| 2 | लाइफ ब्वाय | 120 |
| 3 | लाइफ जैकेट | 120 |
| 4 | मेगा फोन | 120 |
| 5 | फोल्डेबल स्ट्रैचर | 120 |
| 6 | फर्स्ट एड किट | 120 |
| 7 | सेफ्टी हेलमेट | 120 |
| 8 | फायर एक्सटिनम्यूसर | 120 |
| 9 | जरीकेन (वाटर कन्टेनर) | 120 |

# Chapter-5

## Preparedness measres.

जनपद कासगंज में क्रमशः तीन तहसील कासगंज, पटियाली एवं सहावर हैं। जनपद कासगंज बाढ़ के द्वारा ही प्रभावित होता है। जिसके लिए तहसीलस्तर पर अधिकारियों द्वारा बाढ़ से निपटने हेतु तैयारियॉ करली जाती हैं।

## तहसील कासगंज में आपदाओं से पूर्व किये जाने वाली तैयारियॉ

विस्थापित परिवारों की संख्या अधिक होने की स्थिति में परिवारों को शिविर में ठहराने हेतु मेला मैदान सोरों एवं खण्ड विकास कार्यालय सोरों के पूरव की ओर लगी हुयी सड़क किनारे की भूमि को चिन्हित कर लिया गया है।

बाढ़ की स्थिति होने पर विस्थापित परिवारों को ठहराने हेतु प्लास्टिक त्रिपाल यथासमय स्थानीय बाजार से क्रय कर वितरित करने की व्यवस्था की जायेगी तथा शिविरों में विस्थापित परिवारों को लंच पैकिट की व्यवस्था यथा समय करा दी जावेगी।

जनपद कासगंज के तहसील कासगंज पर बाढ़ कन्ट्रोल रूम स्थापित किया जाता है।

जिस पर लगातार स्टाफ की तैनाती रहती है।

**कन्ट्रोल रूम का नम्बरः— 05744—244584**

# तहसील कासगंज में उपलब्ध नावों एवम् गोताखोरों का विवरण

तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री रघुवीर नि0 इकलहरा के पास एक नाव है एवम् इन्सपैक्टर नि0 लहरा पर एक नाव है, जिनसे सम्पर्क कर लिया गया है। उसके द्वारा बाढ़ की स्थिति में नाव उपलब्ध करा दी जायेगी। श्री महेन्द्र सिंह द्वारा बाढ़ के समय गतवर्ष भी नाव उपलब्ध करायी गयी थी। नाव चलाने के लिये नाव मालिक द्वारा मल्लाह उपलब्ध कराये जायेंगे ।

## नाव मालिकों के नाम–

1. श्री महेन्द्र सिंह पुत्र रघुवीर सिंह नि0 इकलहरा। मोबा0 नं0 9927178221 (दिनेश)

## गोताखोरों के नाम–

तहसील कासगंज के अन्तर्गत 5 गोताखोर हैं जिसका विवरण निम्नवत् है–

1. रामनिवास पुत्र रतीराम जाति मल्लाह नि0 इकलहरा मो0 नं0 9012174787 (बसन्त), 8954137028 (गुप्ता जी)
2. मूलचन्द्र पुत्र मक्खन जाति मल्लाह नि0 इकलहरा मो0 नं0 9012174787 (बसन्त), 8954137028 (गुप्ता जी)
3. कालीचरन पुत्र बहादुरी जाति मल्लाह नि0 इकलहरा मो0नं0 9012174787 (बसन्त), 8954137028 (गुप्ता जी)
4. दयाराम पुत्र बल्लू जाति मल्लाह नि0 इकलहरा मो0 नं0 9012174787 (बसन्त), 8954137028 (गुप्ता जी)
5. कन्हई पुत्र नौवत जाति मल्लाह नि0 इकलहरा मो0 नं0 9012174787 (बसन्त), 8954137028 (गुप्ता जी)

# तहसील पटियाली में आपदाओं से पूर्व किये जाने वाली तैयारियॉ

गंगानदी में आने वाली वाढ़ को रोकने हेतु ग्राम शहवाजपुरपर सिंचाई विभाग द्वारा स्टड बनाये जाते हैं। स्टड के निर्माण होने से शहवाजपुरग्राम की आवादी का कटान रूक जायेगा। वर्ष 2014–15 में गंगानदी में आई वाढ़ के कारण समसपुर तराई पर बना मनरेगा योजना का बांध व नबावगंज नगरिया पर सिंचाई विभाग द्वारा बना बांध कट गया था। उसके पानी से किसी भी ग्राम की आवादी प्रभावित नहीं हुई थी। फसलें सूखा से प्रभावित थीं। बांध के कटान से आने वाले पानी से फसलों को कोई क्षति नहीं हुई थी। ग्राम नाबवगंज नगरिया पर क्षतिग्रस्त बांध पर सिंचाई विभाग द्वारा मरम्मत कार्य कराया जा रहा है तथा मनरेगा योजना से बनाये गये क्षतिग्रस्त बांधों के मरम्मत का कार्य ग्राम प्रधानों द्वारा कराया जा रहा है।

## तहसील पटियाली में गंगानदी में वाढ़ आने के फलस्वरूप सामान पहुंचाने का रूटचार्ट

तहसील पटियाली में वाढ़ से प्रभावित ग्रामों तक राहत सामिग्री पहुंचाने के लिये पटियाली से गंजडुण्डवारा व गंजडुण्डवारा से कादरगंज 22 किमी चलकर गंगानदी तक पहुंचेगे। फिर वहां से पश्चिम दिशा में शहवाजपुर 10 किमी. व पूरव दिशा में सनौडी खास 20 किमी. तथा कादरगंज से उत्तर में वाढ़ चौकी नगला दुर्गू 6 किमी0 तथा नगला डम्बर 10 किमी0 चलकर पहुंचेगे।

तहसील पटियाली पर बाढ कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिस पर आपदा के समय तहसील पटियाली का स्टाफ तैनात किया जाता है।

**कन्ट्रोल रूम का नम्बरः– 05740–252274**

## तहसील सहावर में आपदाओं से पूर्व किये जाने वाली तैयारियॉ

**तहसील सहावर में गंगा नदी में बाढ आने के फलस्वरूप सामान पहुँचाने का रूट चार्टः–** तहसील सहावर में बाढ़ से प्रभावित होने वाले ग्रामों तक राहत सामग्री पहुँचाने के लिए तहसील सहावर से 6 किमी0 बौदर शहवाजपुर मार्ग से म्यासुर से मंगदपुर होते हुए मुजफ्फर नगर 3 किमी0 पहुँचें।

**मोटर बोट एवं नाव की उपलब्धता एवं व्यवस्थाः–** बाढ़ से प्रभावित गॉवों में बाढ के समय तहसील सहावर में नाव की आवश्यकता नहीं है, और न राजस्व विभाग की नाव है। आवश्यकता पड़ने पर नगला पंखिया म0 कछला जनपद बदायूं के ठेकेदार श्री अजमेर पुत्र श्री आसफ मो0 नं0– 9412490056 से किराये पर नाव की व्यवस्था की जाती है।

तहसील मुख्यालय सहावर पर बाढ़ कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिस पर नायब तहसीलदार श्री सन्तोष कुमार प्रभारी के रूप में तैनात किये गये हैं।

जिनका इनका मोबाइल नं0–9454449489 है।

# Chapter-6

# Capacity Building and Training measures.

कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के अन्तर्गत आपदाओं के प्रति जनप सामान्य को जागरूक एवं प्रशिक्षित कर उनके क्षमता निर्माण सम्बन्धी कार्यक्रम में ग्राम पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण के दौरान मॉकड्रिल के माध्यम से खोज एवं बचाव के सामान्य उपकरणों के प्रयोग कर आपदाओं के समय अपना एवं समुदाय के लोगों का बचाव किए जाने हेतु प्रशिक्षित किया जाना भी सम्मिलित है। आपदाओं से प्रभावित जनपदों में 15 मास्टर ट्रेनरों को प्रदेश स्तर पर प्रशिक्षित किया गया है। जिनका विवरण निम्न प्रकार हैः–

| क्र0 | चयनित मास्टर ट्रेनर का नाम | पदनाम विभाग | मोबाइल नं0 |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | श्री भगवान सिंह | सहा0 अभियंता, आर0ई0डी0, कासगंज | 9412011622 |
| 2 | श्री संजीव कुमार | जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास | 9410889923 |
| 3 | श्री सुधीर मिश्रा | जिला समन्वयक, बालिक शिक्षा, बेसिक शि0 कासगंज | 9412622709 |
| 4 | श्री कप्तान सिंह | सहा0 अभियन्ता, लो0नि0विभाग, कासगंज | 9760594789 |
| 5 | श्री एस0के0 आर्य | सहा0 अभियन्ता, जल निगम, कासगंज | 9639314326 |
| 6 | श्री सीताराम | सहा0 अभियन्ता, नलकूप, कासगंज | 9454415454 |
| 7 | श्री सैयद शाहनवाज अली किरमानी | सहा0 अभियन्ता, सिंचाइ, कासगंज | 9319273772 |
| 8 | श्री भगवान सिंह | सहा0 अभियन्ता, आर0ई0एस0, कासगंज | 9412011622 |
| 9 | डा0 प्रमोद कुमार वशिष्ठ | प्रो0 के0ए0पी0जी0 कालेज, कासगंज | 9410804686 |
| 10 | डा0 प्रवीन सिंह जादौन | प्रो0 के0ए0पी0जी0 कालेज, कासगंज | 9286117199 |
| 11 | डा0 के0के0 सिह | प्रो0 के0ए0पी0जी0 कालेज, कासगंज | 9412467863 |
| 12 | श्री आर0के0 सारस्वत | जिला मलेरिया अधिकारी, कासगज | |
| 13 | श्री आलम सिंह | मलेरिया निरीक्षक, कासगंज | |
| 14 | श्री प्रमोद मिश्रा | स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, कासगंज | |
| 15 | श्री हामिद हुसैन | स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, पटियाली | |

इन प्रशिक्षित 15 मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा जनपद स्तर पर कुल 105 व्यक्तियों (लेखपाल) को 04 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया है। जिसके लिए जनपद की तीनों तहसीलों से 35–35 लेखपालो का चयन कर लिया गया है। तत्पश्चात् इनके द्वारा जनपद के आपदाओं के लिए अतिसंवेदनशील कुल 120 ग्रामों में 50–50 व्यक्ति को आपदा से बचाव व उसके प्रति जागरूक कर प्रशिक्षित किए जा चुके हैं। बाढ़ एवं सूखा प्रभावित जनपदों के प्रशिक्षण तथा चिन्हित आपदा के प्रति अतिसंवेदनशील 120 ग्राम पंचायतों में प्रशिक्षण के दौरान मॉकड्रिल से सम्बन्धित निम्न उपकरण जनपदस्तर पर क्रय किये गये हैं:–

| बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो के ग्राम पंचायतों हेतु चिन्हित उपकरण | | |
|---|---|---|
| क्रम संख्या | उपकरण | संख्या |
| 1 | सर्च लाईट | 1 |
| 2 | लाइफ जैकेट | 1 |
| 3 | लाइफ ब्याय | 1 |
| 4 | मेगाफोन | 1 |
| 5 | फोल्डेबुल स्ट्रेचर | 1 |
| 6 | फर्स्ट एड किट | 1 |
| 7 | सेफ्टी हेलमेट | 1 |
| 8 | फायर एक्सटिनम्यूसर | 1 |
| 9 | जरीकेन (वाटर कन्टेनर) | 5 |

| सूखा प्रभावित क्षेत्रो के ग्राम पंचायतों हेतु चिन्हित उपकरण | | |
|---|---|---|
| क्रम संख्या | उपकरण | संख्या |
| 1 | मेगाफोन | 1 |
| 2 | फोल्डेबुल स्ट्रेचर | 1 |
| 3 | फर्स्ट एड किट | 1 |
| 4 | सेफ्टी हेलमेट | 1 |
| 5 | फायर एक्सटिनम्यूसर | 1 |
| 6 | जरीकेन (वाटर कन्टेनर) | 5 |

उक्त समस्त सामग्री की 40–40 किट तहसील कासगंज, सहावर एवं पटियाली में 120 ग्राम पंचायतों के लिए आपदाओं से निपटने हेतु उपलब्ध करा दी गई है।

# Chapter-8

# Reconstruction, Rehabilitation and recovery measures

जनपद कासगंज में विगत कुछ वर्षो में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। वर्ष 2013 में आई बाढ़/अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पतियों की मरम्मत/पुननिर्माण की आवश्यकता हुई है। बाढ़/अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पतियों की मरम्मत/पुननिर्माण हेतु राज्य आपदा मोचक निधि से प्रान्तीय खण्ड लो0नि0 विभाग, कासगज द्वारा कुल 62 मार्गों का मरम्मत/पुननिर्माण का कार्य कराया गया है। मरम्मत/पुननिर्माण हेतु कुल 62 मार्गों का विवरण निम्न प्रकार हैः–

| क्रम संख्या | मार्ग का नाम |
|---|---|
| 1 | बरेली मथुरा मार्ग |
| 2 | एटा गंजडुण्डवारा मार्ग |
| 3 | कासगंज अमांपुर मार्ग से अमरपुर घाट होते हुए एटा कासगंज मार्ग |
| 4 | कासगंज इस्माइलपुर मार्ग |
| 5 | बदरिया बरवारा सिरावली मार्ग |
| 6 | कासगंज अमांपुर मार्ग |
| 7 | एटा अमांपुर सहावर मार्ग |
| 8 | एल0जी0सी0 पटरी (फर्रूखाबाद ब्रान्च) मार्ग |
| 9 | सहावर मोहनपुर सिढ़पुरा मार्ग |
| 10 | गंजडुण्डवारा सुन्नगढ़ी मार्ग |
| 11 | गंजडुण्डवारा कादरगंज गंगपुर मार्ग |
| 12 | ढोलना अथैया श्यामदेवता घाट मार्ग |
| 13 | ढोलना इखौना चिलकुनि कुईया मार्ग |
| 14 | काली नदी नगला नन्दे घाट सेतु का पहुॅच मार्ग |
| 15 | काली नदी कानरखेड़ा घाट सेतु का पहुॅच मार्ग |
| 16 | ढेला सराय से महमूदपुर वाया अभयपुर रामपुर |
| 17 | खुशहालपुर से नरौली मार्ग |

| | |
|---|---|
| 18 | एटा कासगंज मार्ग से रम्पीरिया नगला मार्ग |
| 19 | बरेली मथुरा मार्ग से शमशानघाट मार्ग |
| 20 | बिलराम से जखेरा महेशपुर |
| 21 | समसपुर डेंगरी मार्ग |
| 22 | नगला गुलरिया से नगला टिकुरिया मार्ग |
| 23 | पन्सौती सम्पर्क मार्ग |
| 24 | पटियाली नरदौली मार्ग से नादरमई मार्ग |
| 25 | पटियाली नरदौली मार्ग से नगला सिसईया मार्ग |
| 26 | ढोलना छिछौरा वाया नगला सूमरा मार्ग |
| 27 | कासगंज इस्माइलपुर से खैड़ीया मार्ग |
| 28 | कासगंज इस्माइलपुर से कुमरूआ मार्ग |
| 29 | बिलराम से मुबारिकपुर माफी मार्ग |
| 30 | बिलराम से रहमतपुर माफी मार्ग |
| 31 | नदरई डेरी से तिलसई कला वाया नगला मुण्डा मार्ग |
| 32 | तवालपुर से हरनाढेर मार्ग |
| 33 | महावर से तवालपुर वाया नगला चौखण्डा मार्ग |
| 34 | सिढ़पुरा धुमरी से गंगसारा मार्ग |
| 35 | धुमरी पटियाली मार्ग से नगला टीका से नगला सहजन मार्ग |
| 36 | एटा गंजडुण्डवारा मार्ग से बांसी मार्ग |
| 37 | एटा गंजडुण्डवारा मार्ग से मनकई मार्ग |
| 38 | एटा गंजडुण्डवारा मार्ग से हीरापुर मार्ग से साईस्ता मार्ग |
| 39 | सिढ़पुरा पटियाली मार्ग से पावलढेरा मार्ग |
| 40 | लोहारी खेड़ा मार्ग से गढ़ी खेडई मार्ग |
| 41 | थाना दरियावगंज मार्ग से नीबलपुर होते हुए बल्लिया मार्ग |
| 42 | सहावर म्यासुर मार्ग से अलादीनपुर मार्ग |
| 43 | राजा का रामपुर से खैरपुर मार्ग |
| 44 | अशोकपुर रतनपुर सम्पर्क मार्ग |
| 45 | नगला हीरा से कुढा मार्ग |
| 46 | थाना दरियावगंज से बढौला मार्ग |

| | |
|---|---|
| 47 | पटियाली नरदौली मार्ग से रनैठी मार्ग |
| 48 | शाहपुर टहला सलेमपुर मार्ग |
| 49 | ढकपुरा भरगैन मार्ग |
| 50 | कासगंज चांडी मार्ग से बहेटा मार्ग |
| 51 | गंजडुण्डवारा कादरगंज मार्ग से सिकन्दरपुर वैश्य मार्ग |
| 52 | शहवाजपुर से भीकमपुर (नगला रते आबादी भाग) |
| 53 | इन्द्राजसनपुर मार्ग से हरौरा मार्ग |
| 54 | अलीगंज सोरों मार्ग से सादिकपुर मार्ग |
| 55 | राजा का रामपुर मार्ग से बिलांसबांस मार्ग |
| 56 | कासगंज चांडी मार्ग से कासिमपुर मिहारी मार्ग |
| 57 | धर्मपुर शहवाजपुर मार्ग से नागर कंचनपुर मार्ग |
| 58 | अलीगंज सोरो मार्ग से अड़ूपुरा मार्ग |
| 59 | नगला धनसिंहपुर से म्यासुर मार्ग |
| 60 | राजा का रामपुर से शाहपुर टहला मार्ग |
| 61 | जैथरा थाना दरियावगंज मार्ग से बिजौरा स्वर्गद्वारी मार्ग |
| 62 | थाना दरियावगंज मार्ग से सिहौरी मार्ग |
| 63 | थाना दरियावगंज मार्ग से नौगवां चहका मार्ग |
| 64 | कासगंज अमांपुर मार्ग से खुशकरी मार्ग |
| 65 | गंजडुण्डवारा कादरगंज मार्ग से समसपुर तराई मार्ग |
| 66 | कासगंज अमांपुर मार्ग से करसाना मार्ग |
| 67 | समसपुर करसाना मार्ग से गेन्दूपुरा मार्ग |
| 68 | अमांपुर सिढ़पुरा मार्ग से पिथनपुर मार्ग |

# Chapter-9

## Financial resources for implementation of DDMP

जनपद कासगंज में जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण की स्थापना हेतु शासन द्वारा प्रत्येक वर्ष धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। जिसका उपयोग जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण के व्ययों यथा म्उमतहममबल व्चमतंजपवद ब्मदजमत ;म्व्ब्द्ध के सुचारू रूप से संचालन हेतु, प्राधिकरण के टेलीफोन, कन्ट्रोल रूम, स्टेशनरी एवं अन्य उपयोगार्थ सामग्रियों आदि के व्ययों के लिए उपलब्ध करायी जाती है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा दैवीय आपदाओं जैसे– अग्निकाण्ड, बाढ़, सूखा, ओलावृष्टि, अतिवृष्टि, तूफान, भूकम्प, चक्रवात आदि से बचाव हेतु धनराशि प्रत्येक वर्ष आवंटित की जाती है। इस धनराशि को जिलास्तर के माध्यम से जिस तहसील में उपरोक्त आपदाओं से नुकसान/प्रभावित हुआ है, उस तहसील को धनराशि वितरित कर दी जाती है। जनहानि, पशुहानि, मकान का नुकसान, फसलों के क्षतिग्रस्त हेतु धनराशि प्रत्येक वर्ष आवंटित की जाती है। उक्त धनराशि का उपयोग निम्न मद में हुए नुकसान हेतु व्यय किया जाता हैः– अहैतुक सहायता, अनुग्रह सहायता, गृह अनुदान में व्यय किया जाता है। इसके अतिरक्त शीतलहर/ठण्ड से निराश्रित/असहाय/गरीब व्यक्तियों के बचाव हेतु शासन द्वारा प्रत्येक वर्ष अलाव/कम्बलों के क्रय करने हेतु शासन द्वारा धनराशि आवंटित की जाती है। जिसका वितरण तीनों तहसीलों को कर दिया जाता है। इसके साथ ही जनपद कासगंज की नगर पालिका/नगर पंचायतों द्वारा नगर के मुख्य चौराहों, रेलवे स्टेशन, बस स्टेण्ड आदि पर शीतलहर/ठण्ड से गरीब/असहाय व्यक्तियो के ठहरने/बचाव हेतु रेन बसेरा/अलाव की व्यवस्था की जाती है तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा कम्बलों आदि का वितरण भी किया जाता है।

# Chapter-10

# Procedure and methodology for monitoring evaluation, updation and maintenance of DDMP

## –: जनपद कासगंज के स्टीयरिंग ग्रुप के अध्यक्ष/सचिव एवं सदस्य :–

| क्र0सं0 | नाम पदाधिकारी | पद |
|---|---|---|
| 1 | जिलाधिकारी, कासगंज | अध्यक्ष |
| 2 | पुलिस अधीक्षक, कासगंज | सदस्य |
| 3 | अपर जिलाधिकारी/जिला बाढ़ राहत अधिकारी, कासगंज | सचिव/सदस्य |
| 4 | मुख्य चिकित्साधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 5 | मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 6 | उपजिलाधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 7 | क्षेत्राधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 8 | तहसीलदार, कासगंज | सदस्य |
| 9 | खण्ड विकास अधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 10 | जिला कृषि अधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 11 | जिला पूर्ति अधिकारी, कासगंज | सदस्य |
| 12 | अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कासगंज | सदस्य |
| 13 | अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग, कासगंज | सदस्य |
| 14 | अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, कासगंज | सदस्य |
| 15 | अधिशासी अभियन्त, जल निगम, कासगंज | सदस्य |

# तहसील स्तर पर आपदा सहायता समिति

**01–** उप जिलाधिकारी।
**02–** तहसीलदार।
**03–** तहसील क्षेत्र के समस्त खण्ड विकास अधिकारी।
**04–** चिकित्साधिकारी।
**05–** तहसील क्षेत्र के समस्त विधायक।
**06–** तहसील क्षेत्र के उन ग्रामों (जिनमें बाढ़/अतिवृष्टि से अधिक जलप्लावन की सम्भावना रहती है) के जनप्रतिनिधि।
**07–** तहसील क्षेत्र के विद्युत के अधिशासी अभियन्ता।
**08–** तहसील सिंचाई खण्ड के अधिशासी अभियन्ता।
**09–** तहसील क्षेत्र के सम्बद्ध अधिशासी अभियन्ता, जल विभाग।
**10–** तहसील क्षेत्र के सम्बद्ध अधिशासी अभियन्ता, सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग।
**11–** अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत।
**12–** जिला कृषि अधिकारी अथवा उनके द्वारा मनोनीत अन्य अधिकारी।

# मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी एवं जनपद के अन्य अधिकारियों के दूरभाष नम्बर

| क्रमांक | अधिकारी/विभाग | एस0टी0डी0 कोड नम्बर | दूरभाष नम्बर | | फैक्स नम्बर | मोबाइल |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कार्यालय | आवास | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | मण्डलायुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ | 0571 | 2741200 | 2742184 | 2742180 | 9454417493 |
| 2 | अपर आयुक्त प्र0,अलीगढ़ मण्डल | 0571 | 2742576 | — | — | 9554417744 |
| 3 | अपर आयुक्त द्वि0,अलीगढ मण्डल | 0571 | 2742575 | — | — | 9454465491 |
| 4 | जिलाधिकारी कासगंज | 05744 | 272000 | 247482 | 272101 | 9454417516 |
| 5 | पुलिस अधीक्षक, कासगंज | 05744 | 272080 | 247485 | 247487 | 9454400393 |
| 6 | अग्निशमन अधिकारी | 05744 | — | — | — | 9454418500 |
| 7 | सहा0 जिला सूचना विभाग | 05744 | — | — | — | 9412617252 |
| 8 | मुख्य विकास अधिकारी, कासगंज | 05744 | 272108 | — | — | 9454465520 |
| 9 | अपर जिलाधिकारी (वि/रा), कासगंज | 05744 | 272105 | 247495 | — | 9454417587 |
| 10 | जिलाधिकारी, अलीगढ़ | 0571 | 2400202 | 2400798 | 2407555 | 9454417513 |
| 11 | वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अलीगढ़ | 0571 | 2401454 | 2703111 | 2703110 | 9454400247 |
| 12 | उप सूचना निदेशक, अलीगढ़ | 0571 | 2742240 | — | — | 9453005371 |
| 13 | जिलाधिकारी, एटा | 05742 | 233303 | 233301 | 233860 | 9454417514 |
| 14 | वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा | 05742 | 233319 | 231942 | — | 9454400265 |
| 15 | जिला सूचना अधिकारी, एटा | 05742 | 233343 | — | — | 9453005372 |
| 16 | जिलाधिकारी, हाथरस | 05722 | 227077 | 224090 | 277076 | 9454417515 |
| 17 | पुलिस अधीक्षक, हाथरस | 05722 | 232100 | 277100 | — | 9454400278 |
| 18 | उप जिलाधिकारी, कासगंज | 05744 | 244342 | | | 9454417802 |
| 19 | उप जिलाधिकारी, सहावर | — | — | — | — | 9454417803 |
| 20 | उप जिलाधिकारी, पटियाली | — | — | — | — | 9454417804 |
| 21 | तहसीलदार, कासगंज | — | — | — | — | 9454417805 |
| 22 | तहसीलदार, सहावर | 05744 | 277223 | — | — | 9454449499 |
| 23 | तहसीलदार, पटियाली | — | — | — | — | 9454449497 |
| 24 | नायब तहसीलदार, कासगंज | — | — | — | — | 9454449503 |
| 25 | नायब तहसीलदार, सहावर | — | — | — | — | 9454449489 |
| 26 | नायब तहसीलदार, पटियाली | — | — | — | — | 9454449505 |
| 27 | अपर उप जिलाधिकारी, कासगंज | — | — | — | — | 9454525160 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 28 | मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कासगंज | – | – | – | – | 9456482382 |
| 29 | उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कासगंज | – | – | – | – | 9412282501 |
| 30 | मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, कासगंज | – | – | – | – | 9412638084 |
| 31 | जिला पूर्ति अधिकारी, कासगंज | 05744 | 247710 | – | – | 9412341944 |
| 32 | अधि0 अभियन्ता जल निगम, कासगंज | – | – | – | – | 9473942450 |
| 33 | अधि0 अभियंता नलकूप खण्ड, कासगंज | – | – | – | – | 9838694041 |
| 34 | सहा0 अधि0 अभि0 नलकूप खण्ड, कासगंज | – | – | – | – | 9454415454 |
| 35 | अधि0 अभियंता लघु सिंचाई, अलीगढ़ | – | – | – | – | 9412302525 |
| 36 | अधि0 अभियंता सिंचाई विभाग, कासगंज | – | – | – | – | 9412011644 |
| 37 | अधीक्षण अभियंता लोग निर्माण विभाग अलीगढ व्रत्त | 0571 | 2702365 | – | – | – |
| 38 | अधि0 अभि0 लोक निर्माण विभाग, कासगंज | – | – | – | – | 9412410500 |
| 39 | अधि0 अभि0 आर0ई0एस0, कासगंज | – | – | – | – | 9412197260 |
| 40 | सहा0 अभि0 आर0ई0एस0, कासगंज | – | – | – | – | 9412596340 |
| 41 | अधी0 अभि0 विद्युत, एटा | – | – | – | – | 9412748724 |
| 42 | अधि0 अभि0 विद्युत विभाग, कासगंज | – | – | – | – | 9412748705 |
| 43 | अधि0 अभियंता तृतीय नरौरा खण्ड कासगंज | – | – | – | – | 9411865958 |
| 44 | ए0एम0ए0 जिला पंचायत, कासगंज | – | – | – | – | 9411454751 |
| 45 | भूमि संरक्षण अधि0 कासगंज | – | – | – | – | 9235629588 |
| 46 | जिला वन अधिकारी, कासगंज | 05744 | 244550 | – | – | 9411003595 |
| 47 | जिला उघान अधिकारी, कासगंज | – | – | – | – | 9456480195 |
| 48 | जिला कृषि अधिकारी, कासगंज | 05744 | 247552 | – | – | 9235629718 |
| 49 | जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कासगंज | 05744 | 247512 | – | – | 9453004071 |
| 50 | जिला समाज कल्याण अधिकारी, कासगंज | – | – | – | – | 9412830709 |
| 51 | जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, कासगंज | – | – | – | – | 9410084486 |
| 52 | मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कासगंज | – | – | – | – | 9454468632 |
| 53 | स्टेशन अधीक्षक, कासगंज जंक्शन | 05744 | 244239, 247330 | – | – | – |
| 54 | डी0आई0ओ0, एनआईसी0, कासगंज | 05744 | 247004 | – | – | 7668959737 |
| 55 | ए0$^{जी}$0एम0, दूरसंचार, कासगंज | – | – | – | – | 9412095121 |
| 56 | ए0आर0टी0ओ0, प्रवर्तन, कासगंज | – | – | – | – | 9412455555 |
| 57 | श्रम प्रवर्तन अधिकारी, कासगंज | – | – | – | – | 9719123845 |
| 58 | खण्ड विकास अधिकारी, कासगंज | 05744 | 247544 | – | – | 9454465524 |
| 59 | खण्ड विकास अधिकारी, सोरों | 05744 | 273623 | – | – | 9454465523 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 60 | खण्ड विकास अधिकारी, अमांपुर | 05744 | 279396 | — | — | 9454465525 |
| 61 | खण्ड विकास अधिकारी, सहावर | 05744 | 277014 | — | — | 9454465527 |
| 62 | खण्ड विकास अधिकारी, गंजडुण्डवारा | 05740 | 256368 | — | — | 9454565529 |
| 63 | खण्ड विकास अधिकारी, पटियाली | 05740 | 252218 | — | — | 9454465526 |
| 64 | खण्ड विकास अधिकारी, सिढ़पुरा | 05740 | 279396 | — | — | 9454465528 |
| 65 | पुलिस कन्ट्रोल रूम, कासगंज | 05744 | 247489 | — | — | — |
| **66** | **आपदा नियन्त्रण कक्ष, कलेक्ट्रेट, कासगंज** | **05744** | **272000** | **—** | **—** | **—** |

## जनपद स्तरीय सभी पुलिस अधिकारियों के पद नाम, तैनाती स्थल व मो0नं0

| क्रमांक | अधिकारी के पद नाम | दूरभाष | | | मोबाइल नम्बर |
|---|---|---|---|---|---|
| | | एस0टी0डी0 कोड नम्बर | दूरभाष नम्बर | फैक्स नम्बर | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | डी0आई0जी0, अलीगढ़ | 0571 | 2400404 | 2400408 | 9454400392 |
| 2 | पुलिस अधीक्षक, कासगंज | 05744 | 247486 | 247487 | 9454400393 |
| 3 | अपर पुलिस अधीक्षक, कासगंज | 05744 | 247486 | — | 9454401042 |
| 4 | क्षेत्राधिकारी, कासगंज | 05744 | 244677 | — | 9454401889 |
| 5 | क्षेत्राधिकारी, सहावर | — | — | — | 9454401889 |
| 6 | क्षेत्राधिकारी, पटियाली | 05740 | 255110 | 256010 | 9454401251 |
| 7 | जेल अधीक्षक, एटा | — | — | — | 9454418186 |
| 8 | जि0क0 होमगार्डस | — | — | — | 9451288643 |
| 9 | प्र0 निरीक्षक, कासगंज | 05744 | 244678 | — | 9454403244 |
| 10 | प्र0 निरीक्षक, सोरों | 05744 | 273337 | — | 9454403261 |
| 11 | प्र0 निरीक्षक, पटियाली | 05740 | 252033 | — | 9454403253 |
| 12 | एस0 ओ0, गंजडुण्डवारा | 05740 | 255110 | — | 9454403239 |
| 13 | एस0 ओ0, अमांपुर | 05744 | 279233 | — | 9454403235 |
| 14 | एस0 ओ0, सहावर | 05744 | 277530 | — | 9454403257 |
| 15 | एस0 ओ0, ढोलना | 05744 | 272820 | — | 9454403238 |
| 16 | एस0 ओ0, सिढ़पुरा | 05744 | 254233 | — | 9454403260 |
| 17 | एस0 ओ0, सुन्नगढ़ी | — | — | — | 9454403245 |
| 18 | एस0 ओ0, सि0वैश्य | — | — | — | 9454403243 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 19 | एस0 ओ0, राजा का रामपुर | – | – | – | 9454403255 |
| 20 | एस0 ओ0, मारहरा | – | – | – | 9454403249 |
| 21 | एस0 ओ0, मिरहची | – | – | – | 9454403250 |
| 22 | एस0 ओ0, कादरचौक | – | – | – | 9454402941 |
| 23 | एस0 ओ0, महिला थाना | – | – | – | 9454404785 |
| 24 | प्रतिसार निरीक्षक | – | – | – | 9454404725 |
| 25 | पुलिस कण्ट्रोल रूम | 05744 | 247489 | – | – |
| 26 | प्र0निरीक्षक एल0आई0यू0 | – | – | – | 9454404729 |
| 27 | अग्निशमन अधिकारी, कासगंज | – | – | – | 9454418500 |
| 28 | प्र0 चौकी दरियावगंज | – | – | – | 941091330 |
| 29 | प्र0 चौकी आवास विकास | – | – | – | 8650502888 |
| 30 | यातायात पुलिस, कासगंज | – | – | – | 9758903080 |
| 31 | एस0 ओ0 उसैत | – | – | – | 9454402950 |
| 32 | एस0 ओ0 जैथरा | – | – | – | 9454401250 |

# Chapter-11

## Coordination mechanism for Implemention of DDMP

# अग्निशमन विभाग,

## जनपदः— कासगंज

## वर्षः 2017—18

## –: आपदा प्रबन्धन हेतु विभाग में उपलब्ध संसाधनों की सूची निम्नवत् है :–

फायर सर्विस शाखा जनपद कासगंज में 02 अग्निशमन केन्द्र स्वीकृति है, जिसमें 1 (एक) फायर स्टेशन शहरी क्षेत्र कासगंज में है तथा 1 (एक) फायर स्टेशन ग्रामीण क्षेत्र तहसील पटियाली में स्वीकृति एवं क्रियाशील है।

जनपद कासगंज के स्वीकृति अग्निशमन केन्द्र कासगंज एवं पटियाली का स्टाफ एवं मशीन/उपकरणों का विवरण निम्नवत् है :–

### स्टाफ

| क्रम | पद व नाम | स्वीकृत | उपलब्ध | रिक्त |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मुख्य अग्नि शमन अधिकारी | 01 | 01 | – |
| 2 | अग्नि शमन अधिकारी | 02 | – | 02 |
| 3 | अग्नि शमन द्वितीय अधिकारी | 02 | 01 | 01 |
| 4 | लीडिंग फायर मैन | 04 | 02 | 02 |
| 5 | फायर सर्विस चालक | 04 | 02 | 02 |
| 6 | फायरमैन | 32 | 27 | 05 |

### वाहन

| क्रम | पद व नाम | स्वीकृत | उपलब्ध | रिक्त |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मोटर फायर इंजन | 04 | 02 | 02 |
| 2 | फोम टेण्डर | 01 | – | 01 |
| 3 | जीव टोइंग व्हीकल | 02 | 01 | 01 |
| 4 | एम्बुलैन्स | 01 | – | 01 |
| 5 | पम्प | 05 | 05 | – |
| 6 | बुलैरो | 01 | – | 01 |

**संचार व्यवस्था** :– अग्निशमन केन्द्र कासगंज पर संचार – व्यवस्था निम्नवत् हैः–

| क्रम | नम अधिकारी/पदनाम | फोन नं0 आवास | फोन नं0 कार्यालय | व्यक्तिगत मोबइल नम्बर |
|---|---|---|---|---|
| 1 | श्री अरूण कुमार सिंह सी0एफ0ओ0 | – | – | 9999872222 |
| 2 | श्री महेश चन्द्र एफ0एस0एस0ओ0 | – | 9454418500 | 9410676939 |
| 3 | फायर स्टेशन पटियाली<br>श्री पतरसलाल एल0एफ0एम0पी0 | – | – | 7037120858 |

**नोटः–**

1. फायर स्टेशन कासगंज पर कंट्रोल रूम में स्टेटिक वायर लैस सेट उपलब्ध है तथा इसके अतिरिक्त सी0यू0जी0 मोबाइल नं0– **9454418501** तथा पी0एन0टी0 नं0– **05744–244681, 101** भी उपलब्ध है। जिन पर सूचनाओं का आदान–प्रदान हो सकता है।
2. फायर स्टेशन पटियाली पर सूचनाओं का आदान–प्रदान थाना कोतवाली पटियाली के माध्यम से होता है।
3. जोखिम से निपटने की पूर्व तैयारी का विवरण उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कोई संसाधन उपलब्ध नहीं है।
4. विभागीय अधिकारियों के दूरभाष उपरोक्तानुसार है।

# उत्तर प्रदेश जल निगम

## सम्भावित बाढ़ से प्रभावित होने वाले ग्रामों में नये/रिबोर हैण्डपम्पों से सम्बन्धित कार्य योजना

## वर्षः 2017–18

# कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, उ0 प्र0 जल निगम, कासगंज

## संभावित बाढ़ से प्रभावित होने वाले ग्रामों में नये/रिबोर हैण्डपम्पों से सम्बन्धित कार्य योजना वर्ष 2017–18

जनपद कासगंज पश्चिमी उ0प्र0 का एक पिछड़ा जनपद है, जिसका सृजन वर्ष 2008 में हुआ है। यह जनपद गंगा नदी के किनारे बसा हुआ है। जिसके विकास खण्ड सोरों, सहावर गजंडुण्डवारा बाढ़ से प्रभावित होते रहते है। विगत वर्ष गंगा नदी में आई बाढ़ के कारण इन विकास खण्डों के अधिकतर ग्राम बाढ़ से प्रभावित हुये थे, जिनमें से कुछ ग्रामों का अस्तित्व ही समाप्त हो गया एवं अनेक लोगों को अस्थायी शिविरों में रखा गया है। बाढ़ के कारण अनेकों पेयजल श्रोत भी प्रभावित हुये तथा कुछ पूर्ण रूप से नष्ट हो गये। जनपद कासगंज के अन्तर्गत 07 विकास खण्ड है।

इन्ही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये बाढ़ राहत के अन्तर्गत यह कार्य योजना तैयार की गई है। इस योजना में निम्न प्रकार से पेयजल सुविधा हेतु प्राविधान किया गया हैः–

(अ) बाढ़ से पूर्ण रूप से नष्ट होने वाले पेयजल श्रोतों के स्थान पर ग्रामीण क्षेत्रों या विस्थापित स्थलों पर 100 नग नये इण्डया मार्क ।। हैण्डपम्पों के अधिष्ठान का कार्य।

(ब) बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अनुमान के आधार पर 80 नग स्थायी रूप से खराब हैण्डपम्पों के रिबोर का कार्य।

(स) बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को अस्थायी शिविरों में बसेरा करने हेतु त्वरित गति से पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से 160 नग सैलो हैण्डपम्पों की स्थापना का कार्य।

(द) बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी रूप से खराब हैण्डपम्पों की मरम्मत का कार्य।

(य) बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संक्रामक रोगों से निजात पाने हेतु पेयजल श्रोतों का क्लोरीनेशन का कार्य।

इस प्रकार जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में सम्भावित सूखा से निपटने हेतु पेयजल सुविधा हेतु बाढ़ कन्टीजेन्ट प्लान वर्ष 2018–18 अनु0 लागत रू. 147.00 लाख का अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जा रहा है।

## बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल हेतु बाढ़ राहत का कन्टीजेन्ट प्लान वर्ष 2017–18

# फार्म – जे

| क्रम सं0 | विवरण | लागत | सेंटेज | कुल लागत (रू0 लाख मे) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | ग्रामीण क्षेत्रों में सम्भावित बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ राहत कार्यक्रम के अन्तर्गत पेयजल सुविधा हेतु प्रस्तावित कार्य | 147.00 | – | 147.00 |

## नये हैण्डपम्पों की लागत सार

| क्रम सं0 | विवरण | मात्रा | इकाई | दर (रू. में) | लागत (रू. लाख में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | जनपद कासगंज के बाढ़ प्रभावित ग्रामों /मजरे जो बाढ़ से पूरी तरह से नष्ट होने की सम्भावना हो सकती है, उन ग्रामों के निवासियों को दूसरे स्थान पर स्थायी रूप से पुर्नस्थापना हेतु नये हैण्डपम्पों के अधिष्ठान का कार्य। | 100 | नग | 59300.00 | 59.30 |

## स्थायी रूप से खराब हैण्डपम्पों की पुर्नस्थापना हेतु लागत सार

| क्रम सं0 | विवरण | मात्रा | इकाई | दर (रू. में) | लागत (रू. लाख में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ के कारण स्थायी रूप से खराब हैण्डपम्पों की रिबोरिंग का कार्य। | 80 | नग | 53100.00 | 42.48 |

## सैलों टाइप के हैण्डपम्पों की लागत सार

| क्रम सं0 | विवरण | मात्रा | इकाई | दर (रू. में) | लागत (रू. लाख में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | बाढ़ के कारण अस्थायी शिविरों में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को त्वरित गति से पेयजल उपलब्ध कराने हेतु सैलो टाइप के हैण्डपम्पों की स्थापना। | 160 | नग | 23265.00 | 37.224 |

## बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हैण्डपम्पों की मरम्मत एवं क्लोरीनेशन का लागत सार

| क्रम सं0 | विवरण | मात्रा | इकाई | दर (रू. में) | लागत (रू. लाख में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी रूप से होने वाले हैण्डपम्पों की मरम्मत का कार्य (अनुमान के आधार पर) | 200 | नग | 3000.00 | 6.00 |
| 2 | बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संक्रामक रोगों से बचने के लिए हैण्डपम्पों में क्लोरीनेशन का कार्य | 500 | नग | 400.00 | 2.00 |

## अधि0 अभि0, निर्माण खण्ड, उ0प्र0 जल निगम, कासगंज के द्वारा सम्भावित बाढ़ से प्रभावित ग्रामों का नाम

| क्रमांक | विकास खण्ड का नाम | ग्राम का नाम |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | सोरों | भसावली |
| 2 | सोरों | ढेला सराय |
| 3 | सेरों | कादरवाडी |
| 4 | सोरों | पीलो सराय |
| 5 | सोरों | पाठकपुर |
| 6 | सोरों | पहाडपुर कटरा |
| 7 | सोरों | बघेला पुख्ता |
| 8 | सोरों | मल्लाह नगला |
| 9 | सोरों | मुजफ्फर नगर |
| 10 | सोरों | मानिकपुर पुख्ता |
| 11 | सोरों | चॅदवा पुख्ता |
| 12 | गंजडुंडवारा | गठौरा |
| 13 | गंजडुंडवारा | कादरगंज खाम |
| 14 | गंजडुंडवारा | न्यौली फतुहाबाद |
| 15 | गंजडुंडवारा | हिम्मतनगर बझेरा |
| 16 | गंजडुंडवारा | शहबाजपुर पुख्ता |
| 17 | गंजडुंडवारा | गजौरा |
| 18 | गंजडुंडवारा | बरौना |
| 19 | गंजडुंडवारा | बगवास |
| 20 | गंजडुंडवारा | नरदोली पुख्ता |
| 21 | गंजडुंडवारा | राजेपुर कुर्रा |

# कार्यालय क्षेत्रीय प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश परिवहन निगम, कासगंज

उत्तर प्रदेश परिवहन राज्य सड़क परिवहन निगम का मुख्य व्यवसाय बसों का संचालन है। कासगंज में एक ही डिपो हैं, जिसमें बसों स्थिति निम्नवत् हैः–

## कासगंज डिपो

| | |
|---|---|
| सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक का नाम | **लोकेश कुमार राजपूत** |
| मोबाइल नं0 | **8004912968** |
| डिपो में निगम बसों की संख्या | **63** |

कासगंज डिपो में कुल 63 निगम बसें हैं। दैवीय आपदा की स्थिति में निगम 10 बसें उपलब्ध कराने हेतु सदैव तत्पर रहेगा।

# खाद्य एवं रसद विभाग, जनपद–कासगंज

## वर्ष– 2017–18

# खाद्य एवं रसद विभाग, जनपद–कासगंज

आपदा को दृष्टिगत आपूर्ति विभाग से सम्बन्धित जनपद कासगंज में निम्न बिन्दुओं पर कार्य योजना तैयार कर ली गयी है। बिन्दुवार विवरण निम्नवत् हैः–

**बिन्दु संख्या–01**

1. नोडल अधिकारी :– सत्यवीर सिंह
जिला पूर्ति अधिकारी,
मोबाइल नं0– 7839564614

2. सहायक नोडल अधिकारी :– श्री जिया अहमद करीम
जिला खाद्य विपणन अधिकारी,
मोबाइल नं0– 9411878774

**बिन्दु संख्या–02**

## कन्ट्रोल रूम

जनपद स्तर पर जिला पूर्ति कार्यालय में विभागीय कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है तथा निम्न कर्मचारी कन्ट्रोल रूम पर उपलब्ध रहेगेंः–

| क्र0सं0 | अधिकारी/कर्मचारी का नाम | पदनाम | मोबाइल नम्बर | समय सारिणी |
|---|---|---|---|---|
| 1 | श्री हाकिम सिंह | क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी | 9411418519 | प्रातः 8:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक |
| 2 | श्री अनिल कुमार | पूर्ति निरीक्षक | 9761070277 | |
| 3 | श्री सुरेन्द्र कुमार | विपणन निरीक्षक, कासगंज | 9412049698 | सायं 4:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक |
| 4 | श्री सुभाष चन्द्र | विपणन निरीक्षक, सोरों | 9458528654 | |
| 5 | श्री नरेन्द्र सिंह | विपणन निरीक्षक, पटियाली/सिढ़पुरा | 9411421776 | रात्रि 12:00 बजे से प्रातः 8:00 बजे तक |
| 6 | श्री सहदेव कश्यप | विपणन निरीक्षक, गंजडुण्डवारा | 9627216559 | |

**बिन्दु संख्या–03**

## संचार व्यवस्था

प्रत्येक उचित दर विक्रेता के मोबाइल नम्बर, आपूर्ति शाखा व हाट शाखा के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के मोबाइल नम्बर, पैट्रोल पम्प एवं आवश्यक वस्तुओं के स्टोकिस्टो के दूरभाष नम्बर व्यापारिक प्रतिष्ठानों के स्थल व पते व क्षमता का संकलन कर दिया गया है।

**बिन्दु संख्या–04**

## खाद्यान्न/चीनी की उपलब्धता

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत पात्र गृहस्थी राशनकार्डो एवं अन्त्योदय राशनकार्डो को लक्ष्य के अनुसार निर्धारित मात्रा में रोस्टर के अनुसार निर्धारित तिथि पर वितरण कराया जा रहा है।

**बिन्दु संख्या–05**

## पेट्रोल/डीजल एवं रसोई गैस की उपलब्धता

बाढ़ के दृष्टिगत जनपद के समस्त पेट्रोल पम्पो पर दैवीय आपदा हेतु 2000–2000 लीटर डीजल एवं 1000–1000 लीटर पेट्रोल आरक्षित करा दिया गया है तथा ऑयल कम्पनी के उच्चाधिकारियों से सामंजस्य स्थापित करते हुए जनपद में वरीयता के आधार पर डीजल/मिट्टी तेल उपलब्ध कराया जायेगा। प्रत्येक एल0पी0जी0 गैस एजेन्सी पर 25–25 घरेलू सिलेण्डर आरक्षित करा दिये गये है।

**बिन्दु संख्या–06**

## मिट्टी तेल की उपलब्धता

जनपद के समस्त थोक मिट्टी तेल विक्रेताओं के यहां 1000–1000 लीटर मिट्टी तेल आरक्षित करा दिया गया है।

**बिन्दु संख्या–07**

## आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता

आटा, चावल, मोमवत्ती, चना, माचिस, आलू, प्याज, तेल, ब्रेड इत्यादि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता हेतु उद्योग व्यापार मण्डल, कासगंज के पदाधिकारियों से सामंजस्य स्थापित किया गया है तथा उनके द्वारा आश्वासन दिया गया है कि आवश्यकता पड़ने पर पूर्ण सहयोग व आवश्यक वस्तुऐं उपलब्ध करा दी जायेगीं। प्रत्येक उचित दर विक्रेताओं को नमक, माचिस, मोमबत्ती व मिट्टी तेल आरक्षित रखने हेतु निर्देशित कर दिया गया है ।

**बिन्दु संख्या–08**

## अस्थायी बिक्री केन्द्र व सचल वाहन

स्वयं सेवी, व्यापार, समाज सेवी संगठनों एवं उचितदर विक्रेताओं के माध्यम से आवश्यकता पड़ने पर अस्थाई बिक्री केन्द्र/सचल वाहन द्वारा उचितदर पर वितरण की व्यवस्था करा दी जायेगी।

**बिन्दु संख्या–09**

## अवकाश पर प्रतिबन्ध

विभाग के अधिकारी/कर्मचारी को अवकाश व मुख्यालय छोड़ने से पूर्व जिलाधिकारी महोदय से पूर्व अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इस प्रतिबन्ध की अवधि आकस्मिक परिस्थितियॉ उत्पन्न होने पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्धारित की जायेगी।

# मुख्य चिकित्साधिकारी

## आपदा सम्बन्धी कार्य योजना

## जनपद–कासगंज

## वर्षः 2017–18

## —: मुख्य चिकित्साधिकारी के अधीन आपदा प्रबन्धन हेतु निम्न प्रकार समूह का गठन किया गया है :—

| | | | |
|---|---|---|---|
| डा0 एस0पी0सिंह<br>नोडल अधिकारी,<br>मो0नं0—9412631082 | डा0 सन्दीप कुमार<br>ऐपीडेमियोलॉजिस्ट<br>मो0नं0—9450326426 | डा0 प्रेम सिंह<br>उप चिकित्साधिकारी,<br>मो0नं0—9897005550 | डा0 रंगजी द्विवेदी<br>मुख्य चिकित्सा अधिकारी,<br>मो0नं0—8005192672 |

## जनपद स्तर पर नियंत्रण कक्ष— 05744—247062
## नियंत्रण कक्ष प्रभारी— विसुन्दर शर्मा, विमल कुमार

## —: जनपद कासगंज में कार्यरत प्रभारी चिकित्साधिकारियों की सूची :—

| क्रमांक | प्रभारी अधिकारी का नाम | तैनाथी स्थान | मोबाइल नम्बर |
|---|---|---|---|
| 1 | डा0 पी0एन0 गुप्ता,<br>डा0 कृष्ण अवतार | जनपद स्तरीय | 9458684058<br>9759479578 |
| 2 | डा0 आकश सिंह | सोरों | 7409387788 |
| 3 | डा0 पी0के0 श्रीवास्तव | सहावर | 9719040047 |
| 4 | डा0 अजेन्द्र सिंह मलिक | गंजडुण्डवारा | 9456407756 |
| 5 | डा0 कुलदीप सिंह | पटियाली | 9415087257 |
| 6 | डा0 वी0के0 राजपूत | कासगंज | 9837253582 |
| 7 | डा0 आशीष कुमार | अमांपुर | 9454349166 |
| 8 | डा0 अंजुश सिंह | सिढ़पुरा | 9457261769 |

# संक्रमण रोग की रोकथाम हेतु ब्लॉक प्रभारी

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | डा0 अविनाश कुमार | उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी | 9412282051 |
| 2 | डा0 वी0के0 राजपूत | जिला प्रतिरक्षण अधिकारी | 9837253582 |
| 3 | डा0 पी0एन0 गुप्ता | जिला क्षय रोग अधिकारी | 9458684058 |
| 4 | श्री राजकुमार सारस्वत | जिला मलेरिया अधिकारी | 9045324870 |
| 5 | डा0 संदीप कुमार | ऐपीडेमियोलॉजिस्ट | 9450326426 |
| 6 | श्री आलम सिंह | वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक | 9412814725 |
| 7 | श्री प्रमोद मिश्रा | स्वास्थ्य पर्यवेक्षक | 8410141020 |
| 8 | श्री विनोद उपाध्याय | एन0एम0ए0 | 9410628068 |
| 9 | श्री दिग्विजय सिंह | वार्डवॉय | 9058824853 |

# ब्लॉक सहावर

| | | |
|---|---|---|
| ब्लॉक प्रभारी का नाम | डा0 पी0के0 श्रीवास्तव,<br>चिकित्सा अधीक्षक | 9719040047 |
| नियंत्रण कक्ष | राजेश कुमार, अरूण यादव | 05744–2177181 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | डा0 सुरेश चन्द्र | चिकित्सा अधिकारी | 9627465817 |
| 2 | श्री सुनील कुमार | फार्मासिस्ट | 9410488239 |
| 3 | श्री सुरेश चन्द्र | स्वास्थ्य पर्यवेक्षक | 9759096956 |
| 4 | श्री विजेन्द्र गुप्ता | ऑप्ट्रोमैट्रिस्ट | 9457260776 |
| 5 | श्री विनय कुमार | एल0टी0 | 9616918162 |
| 6 | श्री अरविन्द कुमार | वार्डवॉय | 8273978953 |

# ब्लॉक पटियाली

| | | |
|---|---|---|
| ब्लॉक प्रभारी का नाम | डा0 कुलदीप सिंह,<br>चिकित्सा अधीक्षक | 9415087257 |
| नियंत्रण कक्ष | हेत सिंह, वृजेश यादव | 05740–252495 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **1** | श्री पी0के0 परिहार | फार्मासिस्ट | 9456252033 |
| **2** | श्री हामिद हुसैन | एचएस | 8273298167 |
| **3** | श्री रामप्रसाद | एचएस | 9412617467 |
| **4** | श्री पन्ना लाल | वार्डवॉय | 9458275840 |
| **5** | श्री राकेश कुमार | वार्डवॉय | 9412516033 |

# ब्लॉक सोरों

| | | |
|---|---|---|
| ब्लॉक प्रभारी का नाम | डा0 आकाश सिंह,<br>चिकित्सा अधीक्षक | 7409387788 |
| नियंत्रण कक्ष | मनवीर, अखण्ड प्रताप | 05744–213481 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **1** | डा0 देवेन्द्र शर्मा | चिकित्सा अधिकारी | 7055492801 |
| **2** | श्री ओ0पी0 पश्नावत | एन0एम0ए0 | 9410879675 |
| **3** | श्री नवीन माहेश्वरी | आप्टोमैट्रिस्ट | 9837367341 |
| **4** | श्री विनोद यादव | फार्मासिस्ट | 9412862082 |
| **5** | श्री उमाशंकर पाराशर | प्रयोगशाला सहायक | 9997435101 |
| **6** | श्री टी0पी0 सिंह | स्वा0 पर्यवेक्षक | 9450836105 |

# ब्लॉक गंजडुण्डवारा

| | | |
|---|---|---|
| ब्लॉक प्रभारी का नाम | डा0 अजेन्द्र सिंह मलिक,<br>चिकित्सा अधीक्षक | 9456407756 |
| नियंत्रण कक्ष | मोहम्मद मियॉ, मोहम्मद असलम | 05740–255077 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **1** | डा0 गौरव | चिकित्सा अधिकारी | 9711217270 |
| **2** | श्रीमती सविस्ता वेगम | फार्मासिस्ट | 9457163686 |
| **3** | श्री राजकुमार | एन0एम0एस0 | 8449592813 |
| **4** | मौ0 असलम | एल0ए0 | 8084022385 |
| **5** | श्री जानकी प्रसाद | वार्डवॉय | 9410439513 |

# ब्लॉक कासगंज

| | | |
|---|---|---|
| ब्लॉक प्रभारी का नाम | डा0 वी0के0 राजपूत,<br>चिकित्सा अधीक्षक | 9837253582 |
| नियंत्रण कक्ष | सोवरन, सुनील कुमार | 05744–247062 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **1** | डा0 विकास भारती | चिकित्सा अधिकारी | 9917455996 |
| **2** | डा0 अनुपम सिंह | चिकित्सा अधिकारी | 9761224009 |
| **3** | श्री सत्यपाल सिंह | फार्मासिस्ट | 9759727710 |
| **4** | श्री बाबूलाल | एन0एम0ए0 | 9268118830 |
| **5** | श्री उमाशंकर | स्वास्थ्य पर्यवेक्षक | 9897719512 |
| **6** | श्री अशोक कुमार | स्वास्थ्य पर्यवेक्षक | 9720053884 |

# ब्लॉक सिढ़पुरा

| | | |
|---|---|---|
| ब्लॉक प्रभारी का नाम | डा0 अंजुश सिंह,<br>प्रभारी चिकित्सा अधिकारी | 9457261769 |
| नियंत्रण कक्ष | मनव शर्मा, संजय सक्सैना, अजय कुमार | 05740–254260 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **1** | डा0 मुकेश यादव | चिकित्सा अधिकारी | 97591575550 |
| **2** | श्री तुरषनपाल | फर्मासिस्ट | 9411236166 |
| **3** | श्री राजवीर सिंह | स्वास्थ्य पर्यवेक्षक | 7248842249 |
| **4** | श्री महाराज सिंह | आप्ट्रोमैट्रिस्ट | 9058026802 |
| **5** | श्री संजय सक्सैना | वार्डबॉय | 9568347363 |

# ब्लॉक अमांपुर

| | | |
|---|---|---|
| ब्लॉक प्रभारी का नाम | डा0 आशीष कुमार,<br>प्रभारी चिकित्सा अधिकारी | 9454349166 |
| नियंत्रण कक्ष | संतोष, वागेश्वर, हरीशंकर | 05744–279003 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **1** | डा0 मनोज | चिकित्सा अधिकारी | 9751458384 |
| **2** | डा0 गौरव सिंह | चिकित्सा अधिकारी | 9675182105 |
| **3** | श्री दिलीप गुप्ता | स्वास्थ्य पर्यवेक्षक | 9456005894 |
| **4** | श्री ललित मोहन | फार्मासिस्ट | 8423231100 |
| **5** | श्री धर्मेन्द्र कुमार | एल0टी0 | 8006577529 |

जनपद में कार्यरत इन विकास खण्डों के अन्तर्गत सामु0/प्रा0 स्वा0 केन्द्र/उपकेन्द्रों पर तैनात अधिकारियों/ कर्मचारियों को ग्रामों में बीमारियों की रोकथाम हेतु तत्काल राहत पहुॅचाने एवं जनपद मुख्यालय पर यथाशीघ्र सूचना देने हेतु निर्देशित किया जा चुका है। इन केन्द्रों पर आवश्यक जीवन रक्षक दवायें एवं क्लोरीन गोलियॉ तथा ब्लीचिंग पाउडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

# Chapter-12

## Standard operation procedure and checklist

- **वज्रपात से बचाव कार्यः–**

  – आकाशीय बिजली चमकने पर सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बन्द रखे जाने की चेतावनी जारी की जाती है।

  – ऊॅची बनी इमारतों में बज्रपातरोधी यन्त्र लगाए जाने हेतु निर्देशित किया जाता है।

  – आकाशीय बिजली की सम्भावना होने पर तत्काल विद्युत आपूर्ति बन्द किए जाने के निर्देश दिए जाते हैं।

  – वर्षा/बिजली से बचाव हेतु व्यक्तियों, बच्चों, पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुॅचाने की व्यवस्था की जाती है।

- **बाढ़ से बचाव कार्य–**

  – बाढ़ आने से पूर्व सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया जाता है।

  – जिलास्तर अधिकारियों/कर्मचारियों को बाढ़ से पूर्व कुशल ट्रेनर्सों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। तथा सभी तहसीलों/जिलास्तर पर एक बाढ़ नियंत्रण कक्षों की स्थापना कर दी जाती है।

  – बाढ़ आने से पूर्व क्षतिग्रस्त बॉधों की मरम्मत का कार्य पूर्ण कर लिया जाता है।

  – बाढ़ग्रस्त ग्रामों को पहले से ही खाली कराकर, ग्रामवासियो, पशुओं को सुरक्षित स्थानों में पहुॅचा दिया जाता है। तथा उनके रहने, खाने–पीने, दवायें आदि की उचित व्यवस्था कर दी जाती है।

  – बाढ़ आने से पूर्व बाढ़ग्रस्त ग्रामों में एक मॉकड्रिल कराकर सभी को बाढ़ से निपटने हेतु सचेत कर दिया जाता है।

  – नरौरा बैराज से पानी छोड़े जाने पर बाढ़ की सम्भावना होने पर तत्काल चेतावनी जारी की जाती है।

- **<u>सूखा से पूर्व बचाव कार्य–</u>**
  - सूखा आने से पूर्व सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया जाता है।
  - जिलास्तर अधिकारियों/कर्मचारियों को सूखा से पूर्व कुशल ट्रेनर्सों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। तथा सभी तहसीलों/जिलास्तर पर एक सूखा नियंत्रण कक्षों की स्थापना कर दी जाती है।
  - नहरों में टैलों तक पानी पहुॅचाने की व्यवस्था की जाती है।
  - सभी ट्यूववेल चालू हालत में रखे जाने की व्यवस्था की जाती है।

- **<u>भूकम्प से पूर्व बचाव कार्य–</u>**
  - नवनिर्मित सभी भवनों को भूकम्परोधी बनाए जाने हेतु निर्देशित कर दिया गया है।
  - भूकम्प की सम्भावना होने पर तत्काल चेतावनी जारी की जाती है।
  - पुराने जीर्ण–झीर्ण भवनों को खाली कराकर भवनों को ध्वस्त किए जाने हेतु निर्देशित किया जाता है।
  - भूकम्प आने की स्थिति में व्यक्तियों, बुजुर्गो, बच्चों आदि को सुरक्षित खुले मैदानों में पहुॅचाने की व्यवस्था की जाती है।

जनपद
कांशीराम नगर
गंगा नदी
जनपद अलीगढ़
बूढ़ीगंगा नदी
ज न प द बदायूँ को
Sh 33
ब दा यूँ
सोरों
अलीगढ़ को
काली नदी
कासगंज
सहावर
गंजडुडवारा
Sh 33
हाथरस से
अमांपुर
पटियाली
सिढपुरा
बूढीगंगा नदी
जनपद
फर्रुखाबाद को

# List and Direction etc


| | | |
|---|---|---|
| Chapter 1 | Introduction | 01-03 |
| Chapter 2 | Hazard Vulnerability, Capacity and Risk Assessment | 04-05 |
| Chapter 3 | Institutional arrangements for DM | 06-10 |
| Chapter 4 | Prevention and mitigation measures. | 11-22 |
| Chapter 5 | Preparedness measures. | 23-25 |
| Chapter 6 | Capacity Building and Training measures. | 26-27 |
| Chapter 8 | Reconstruction, Rehabilitation and recovery measures | 28-30 |
| Chapter 9 | Financial resources for implementation of DDMP | 31 |
| Chapter 10 | Procedure and methodology for monitoring evaluation, updation and maintenance of DDMP | 32-37 |
| Chapter 11 | Coordination mechanism for Implemention of DDMP | 38-57 |
| Chapter 12 | Standard operation procedure and checklist | 58-59 |
| | Map of District Kasganj | 60 |

# जिला आपदा प्रबन्धन योजना

# (D.D.M.P.)

# जनपदः कासगंज

## वर्षः 2017–18

अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0),
सदस्य, जि0आ0प्र0 प्राधिकरण,
जनपद–कासगंज

जिलाधिकारी, कासगंज/
अध्यक्ष, जि0आ0प्र0 प्राधिकरण,
जनपद–कासगंज